C M Y K

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-120 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, शुक्रवार 11 जुलाई , 2025

आज का विचार

हर वक्त आप जोश से काम नहीं लें सकते कभी-कभी होश से भी काम लेना जरूरी है।

पांचवीं,आठवीं की अंकसूची में भारी त्रुटि बच्चे अभिभावक दोनों परेशान

शुभमन गिल लॉर्ड्स में रचेंगे इतिहास

2174 करोड़ के शराब घोटाले मामले में 22 आबकारी अधिकारी निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 2174 करोड़ रुपये के शराब घोटाले मामले में राज्य सरकार ने 22 वाणिज्य कर आबकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। जिसका अधिकृत आदेश आबकारी विभाग ने जारी कर दिया है। इसके अलावा 7 रिटायर अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है। 7 जुलाई को 29 आबकारी अधिकारियों के खिलाफ आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने विशेष कोर्ट में करीब 2300 पन्नों का चालान पेश किया था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया, इसके बाद आज आबकारी विभाग ने यह आदेश जारी किया।

यह है 22 निलंबित आबकारी अधिकारी

जनार्दन कौरव, पिता पंचम सिंह, उम्र 50 वर्ष, सहायक जिला आबकारी अधिकारी

अनिमेष नेताम, पिता आनंद नेताम, उम्र 49 वर्ष, उपायुक्त आबकारी

विजय सेन शर्मा, पिता पीसी सेन शर्मा, उम्र 48 वर्ष, उपायुक्त आबकारी

अरविंद कुमार पाटले, पिता नेवल सिंह पाटले, उम्र 49 वर्ष, उपायुक्त आबकारी

प्रमोद कुमार नेताम, पिता स्व. श्याम लाल नेताम उम्र 60 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

रामकृष्ण मिश्रा, पिता शैलेन्द्र मिश्रा, उम्र 36 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

विकास कुमार गोस्वामी, पिता विनोद गोस्वाम, उम्र 44 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

इकबाल खान, पिता महूम मोहम्मद स्माईल खान, उम्र 56 वर्ष, जिला आबकारी अधिकारी

नितिन खंडुजा, पिता रवीन्द्र खंडुजा, उम्र 53 वर्ष, सहायक जिला आबकारी अधिकारी

नवीन प्रताप सिंग तोमर, पिता भगवान सिंह तोमर, उम्र 43 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

मंजुश्री कसेर, पति रामचन्द्र सारस, उम्र 47 वर्ष, सहायक आबकारी अधिकारी

सौरभ बख्शी, पिता राजीव बख्शी, उम्र 41 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

दिनकर वासनिक, पिता डॉ पीएल वासनिक, उम्र 42 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

मोहित कुमार जायसवाल, पिता रामलाल जायसवाल, उम्र 46 वर्ष, अधिकारी जिला आबकारी

नीतू नोतानी ठाकुर, पति मोहन दास नोतानी, उम्र 45 वर्ष, उपायुक्त आबकारी

गरीबपाल सिंह दर्दी, पिता दिलबाग सिंह दर्दी, उम्र 59 वर्ष, जिला आबकारी अधिकारी

नोहर सिंह ठाकुर, पिता गौतम सिंह ठाकुर, उम्र 45 वर्ष, उपायुक्त आबकारी

सोनल नेताम, पिता एम. एस. नेताम, उम्र 36 वर्ष, सहायक आयुक्त, आबकारी

प्रकाश पाल, पिता सपन कुमार पाल, उम्र 44 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

अलेख राम सिदार, पिता मुरलीधर सिदार, उम्र 34 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

आशीष कोसम, पिता बृजलाल कोसम, उम्र 50 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

राजेश जायसवाल, पिता हरीप्रसाद जायसवाल, उम्र 42 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी

इन 7 रिटायर अधिकारियों को भी बनाया गया आरोपी

ए.के. सिंग, पिता अखिलेश्वर सिंह उम्र 62 वर्ष, जिला आबकारी अधिकारी (सेवानिवृत्त)

जे.आर. मंडावी, पिता नंदलाल मंडावी, उम्र 64 वर्ष, जिला आबकारी अधिकारी (सेवानिवृत्त)

जी.एस. नुरूटी, पिता दयाराम नुरूटी, उम्र 63 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी (सेवानिवृत्त)

देवलाल वैष, पिता स्व गोवर्धन सिंह वैध, उम्र 63 वर्ष, जिला आबकारी अधिकारी (सेवानिवृत्त)

ए.के. अनंत, पिता आशाराम अंनत, उम्र 65 वर्ष, जिला आबकारी अधिकारी (सेवानिवृत्त)

वेदराम लहरे, पिता जगत राम लहरे, उम्र 66 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी (सेवानिवृत्त)

एल.एल. ध्रुव, पिता मोतीसिंह ध्रुव, उम्र 66 वर्ष, सहायक आयुक्त आबकारी (सेवानिवृत्त)

उल्लेखनीय हैं कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच, राज्य के 15 बड़े जिलों में पदस्थ आबकारी अधिकारी और अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों द्वारा बिना ड्यूटी चुकाई गई देशी शराब की शासकीय दुकानों में समानांतर अवैध बिक्री की गई। बस्तर और सरगुजा संभाग को छोड़कर चयनित जिलों में अधिक खपत वाली देशी शराब दुकानों को डिस्टलरी से सीधे अतिरिक्त अवैध शराब भेजी जाती थी, जिसे वैध शराब के साथ समानांतर बेचा जाता था। इस पूरे नेटवर्क में डिस्टलरी, ट्रांसपोर्टर, सेल्समैन, सुपरवाइजर, आबकारी विभाग के जिला प्रभारी अधिकारी, मंडल व वृत्त प्रभारी, और मैन पावर एजेंसी के अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे।

पहला कॉलम

कैबिनेट की बैठक आज मंत्रालय में

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार 11 जुलाई को 2025 को सवेरे 11.30 बजे राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित होगी।

कुछ अलग

मेरा इरादा सही था, लेकिन तरीका गलत, कैंटीन में मारपीट पर विधायक संजय गायकवाड़ की सफाई

मुंबई ,10 जुलाई (ए)। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने मुंबई के एक कैंटीन में खराब खाना मिलने पर कर्मचारी को ही थप्पड़ मार दिया था, जिस पर अब उन्होंने अपनी सफाई दी। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उनका इरादा सही था, लेकिन तरीका गलत था। उन्होंने बताया कि पिछले कई साल से होटल में गंदगी और खराब खाने की शिकायतें थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे होटल मालिकों का हौसला बढ़ गया था। उन्होंने कहा, मैं बाहर का खाना नहीं खाता, लेकिन इस होटल में खाने के बाद मुझे स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हुई। खाना खराब था, जिससे मेरा गुस्सा भड़क गया। मेरी प्रतिक्रिया गलत थी, लेकिन मकसद सही था। उन्होंने दावा किया कि उनकी कार्रवाई के बाद 95 फीसदी लोग इसे सही मान रहे हैं। उनकी इस पहल से महाराष्ट्र भर के होटल मालिकों ने अपने प्रतिष्ठानों की सफाई शुरू कर दी है। उन्होंने सरकार से मांग की कि होटल में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए बीमा, पहचान पत्र और हर तीन महीने में मेडिकल जांच अनिवार्य हो। साथ ही, होटलों में साफ-सफाई और खाने की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम लागू किए जाएं।

मुख्यमंत्री साय गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रायगढ़ जिले के ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरुपीठ में गुरु दर्शन के लिए पहुंचे

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ में गुरु दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने गुरु पीठ आश्रम के उपासना स्थल पर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा के दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने आश्रम में अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी के प्रिय शिष्य प्रियदर्शी भगवान राम जी के दर्शन भी किए और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी, लोक सभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह , विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दोस्त को उधार में दिए थे 2,000 रुपये, वापस मांगने पर चाकू घोंपकर हत्या

नईदिल्ली,10 जुलाई (ए)। दिल्ली में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जाफराबाद इलाके में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। मृतक 23 वर्षीय फरदीन है। घटना बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात 12:10 बजे उस हुई जब फरदीन ने आरोपी आदिल से अपने पैसे मांगे थे। दोनों आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी आदिल, उसके भाई कामिल और उनके पिता शकील को गिरफ्तार कर लिया है। कामिल और शकील पर उकसाने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आदिल ने कुछ समय पहले फरदीन से 2,000 रुपये उधार लिए थे। उसने छोटे-मोटे खर्चों की बात कहकर पैसे वापस लिए थे और

चुनाव आयोग जो कर रहा है, वो संवैधानिक जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, ।बिहार मतदाता सूची मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। मतदाता सूची अपडेट करने की चुनाव आयोग की कवायद के खिलाफ करीब ११ याचिकाएं दर्ज की गई हैं। सुनवाई के दौरान सबसे पहले याचिकाकताओं के वकीलों ने दलीलें रखीं। चुनाव आयोग की कवायद पर यह कहते हुए सवाल उठाए गए कि लिस्ट अपडेट करते समय आधार या वोटर्स आईडी को स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा है।

सड़कों पर 'डिजिटल शिकारी', महिलाओं की चोरी-छिपे रिकॉर्डिंग, फिर इंस्टाग्राम पर वायरल

नई दिल्ली। सावधान... कहीं आप भी अनजाने में किसी कैमरे में कैद तो नहीं हो रहीं? यह सलाह इंस्टाग्राम पर Bengaluru की एक महिला के द्वारा अन्य लड़कियों को दिया गया। इस वीडियो के बाद पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार भी कर लिया। जी हां, खबर है कि बेंगलुरु में एक २६ साल के शख्स ने बिना इजाजत कई महिलाओं का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किया। मामले पर जब एक महिला ने ऑनलाइन ही आपत्ति दर्ज कराई तो पुलिस ने खोजबीन कर युवक को हिरासत में ले लिया।

क्या है पूरा मामला ?

बता दें कि गिरफ्तार युवक का नाम गुरदीप सिंह है जो बेंगलुरु के केआर पुरम में रहता है। होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएट होने के बाद भी आरोपी बेरोजगार है. शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच की और युवक को घर से गिरफ्तार कर लिया। गुरदीप सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कई महिलाओं के तस्वीर शेयर करता था. बेंगलुरु के मशहूर कमर्शियल इलाका चर्च स्ट्रीट की कई फुटेज उसके अकाउंट पर साझा किए गए है।

खुद की वीडियो देखी तो हुई शॉक

इन वीडियोज में महिलाएं अनजाने में कैमरे में कैद हो रही थीं और कई बार वे चौंक भी जाती थीं। इसी से पीड़ित एक महिला ने जब अपनी वीडियो सोशल मीडिया पर देखी तो अपनी बात रखी। उसने कहा, ₹यह शख्स चर्च स्ट्रीट पर घूमता है, मगर असल में वह महिलाओं को बगैर मर्जी के रिकॉर्ड करता है। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। मुझे यकीन है कि कई और महिलाएं भी इसकी शिकार हुई होंगी, जिन्हें इसकी खबर तक नहीं।₹

युवक का अकाउंट अब भी एक्टिव

बता दें कि इस मामले में पुलिस अभी तक आरोपी युवक का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद नहीं करवा पा रही है। इसका कारण यह दिया गया कि इंस्टाग्राम की पॉलिसीज के चलते ऐसा हो रहा है। जानकारी हो कि अब पुलिस कोर्ट की मदद से मेटा कंपनी के जरिए अकाउंट को हटाने का की तैयारी कर रही है।

दुकान किराए पर उपलब्ध

स्थान: ब्रह्म रोड, शिवगोपी होटल के सामने, अंबिकापुर

फ्लोर: पहला मंजिल (First Floor)

क्षेत्रफल: 800 वर्ग फुट

पार्किंग की सुविधा उपलब्ध

संपर्क करें - मो. 7415805463

राजपुर रोड असोला में मिडिल स्कूल के सामने 41.5 डिसमिल जमीन प्रीकास्ट बाउन्ड्री किया हुआ तत्काल बेचना है।

सम्पर्क करें - राकेश अग्रवाल मो. 9977088562

खरी-खरी

दिल्ली-एनसीआर में सुबह-सुबह कांपी धरती : 10 सेकंड तक लोगों में दहशत, झज्जर बना भूकंप का केंद्र

नई दिल्ली ,10 जुलाई (ए)। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिएगुरुवार की सुबह सामान्य नहीं रही। जैसे ही घड़ी ने सुबह 9:04 का समय दिखाया, अचानक जमीन कांपने लगी। घरों की दीवारें हिलने लगीं, खिड़कियों के शीशे झनझनाने लगे और लोग हैरान-परेशान सड़कों की ओर दौड़ पड़े। भूकंप के ये झटके इतने तीव्र थे कि करीब 10 सेकंड तक राजधानी और उसके आसपास के इलाके दहलते रहे। दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद, झज्जर, भिवानी और बहादुरगढ़ जैसे शहरों में कंपन साफ महसूस किया गया। भूकंप विज्ञान केंद्र ने पुष्टि की कि इसका केंद्र हरियाणा के झज्जर जिले में था और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र झज्जर से 10 किलोमीटर उत्तर में था, जहां झटकों की तीव्रता सबसे ज्यादा महसूस की गई।

झज्जर में सुबह के कुछ ही मिनटों में दो बार भूकंप के झटके लगे। पहला झटका 9:07 बजे महसूस किया गया और दूसरा 9:10 बजे, हालांकि यह थोड़ा हल्का था। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि धरती कांपी और कुछ स्थानों पर दीवारों में महीन दरारें तक दिखाई दीं। इस दौरान लोग भयभीत हो गए और घरों-दफ्तरों से निकलकर खुले स्थानों की ओर भागे।

राजधानी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों जैसे रोहिणी, द्वारका, साकेत, मयूर विहार और सिविल लाइंस में भी लोग दहशत में बाहर निकल आए। गाजियाबाद और नोएडा के कुछ स्कूलों में बच्चों को तुरंत मैदान में ले जाया गया। वहीं, गुरुग्राम की कई मल्टीनेशनल कंपनियों में काम रोक दिया गया और कर्मचारियों को बाहर लाया गया। एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाली पूजा मेहरा ने बताया कि जैसे ही झटका महसूस हुआ, दफ्तर की दीवारें हल्की-हल्की हिलने लगीं, सभी को नीचे उतरने को कहा गया और पूरे स्टाफ ने पार्किंग में शरण ली।

भूकंप आने के बाद लोगों के मन में यह सवाल भी उठने लगा कि ये बार-बार झटके क्यों आते हैं? इसका वैज्ञानिक कारण समझाया जाए तो पृथ्वी की सतह सात बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों से बनी होती है, जो लगातार गति में रहती हैं। जब ये प्लेटें एक-दूसरे से टकराती हैं या उनके किनारे आपस में रगड़ खाते हैं, तो दबाव बढ? लगता है। यह दबाव वर्षों तक बनता रहता है और जब सहनशीलता से अधिक हो जाता है तो प्लेटें टूट जाती हैं। इस टूटन से जो ऊर्जा निकलती है, वह जमीन की सतह तक पहुंचती है और कंपन पैदा करती है, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं।

भूकंप की तीव्रता और प्रभाव का एक और महत्वपूर्ण पहलू उसका केंद्र होता है। जिस स्थान के ठीक नीचे टेक्टोनिक प्लेटों में हलचल होती है, उसे भूकंप का केंद्र कहा जाता है। यही वह जगह होती है जहां पर कंपन सबसे अधिक महसूस होते हैं। जैसे-जैसे दूरी बढ़ती है, झटकों की तीव्रता भी घटती जाती है।

हालांकि आज आए भूकंप की तीव्रता मध्यम स्तर की रही, लेकिन दिल्ली-एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले और ऊंची इमारतों से भरे क्षेत्र में इस तरह के झटकों से हमेशा खतरा बना रहता है। राजधानी दिल्ली भूकंप के लिहाज से संवेदनशील जोन 4 में आती है, जो उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में गिना जाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि कोई भूकंप सात या उससे अधिक की तीव्रता का आता है तो इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

इन झटकों ने एक बार फिर यह याद दिला दिया कि दिल्ली-एनसीआर भले ही आधुनिक इमारतों और तकनीकी प्रगति से सुसज्जित हो, लेकिन भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के सामने आज भी उतनी ही असहाय है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में अब तक किसी तरह की जनहानि या बड़ी क्षति की सूचना नहीं है। लेकिन सवाल यही उठता है कि क्या हमारी तैयारियां किसी बड़े भूकंप से निपटने के लिए पर्याप्त हैं?

सरकार और नागरिकों दोनों को इस सवाल पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है, क्योंकि प्रकृति का अगला झटका कब और कितना भयानक होगा, इसका अनुमान कोई नहीं लगा सकता।

श्रमिक संघों की हड़ताल से एसईसीएल के कोयला उत्पादन पर नहीं

बिलासपुर। श्रमिक संगठनों द्वारा आहूत हड़ताल में एसईसीएल के कर्मचारियों की उपस्थिति प्रभावित रही किंतु इससे कोयला उत्पादन व ओबीआर जैसे महत्वपूर्ण कार्य संचालन अप्रभावित रहे। कर्मचारियों की उपस्थिति पहली पाली में लगभग 51 प्रतिशत वहीं दूसरी पाली में 47 प्रतिशत रही। दूसरी पाली में कंपनी के 20 में से 19 खुली खदानें पूर्णतया या अंशतः प्रभावित रूप में कार्य करने लगी थी। दूसरी पाली में भूमिगत खदानों में लगभग एक तिहाई खदानें सामान्य वहीं एक तिहाई अंशतः प्रभावित रूप से कार्य कर रही थी ।

पहला कालम

हड़ताल दिवस सामान्य दिनों की तरह हुआ कोयला उत्पादन

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
केंद्र सरकार द्वारा लाए गए चार श्रम सुधार कानून सहित अन्य मुद्दों को लेकर बुधवार को एक दिवसीय राष्ट्र व्यापी हड़ताल का बिश्रामपुर व भटगांव क्षेत्र में आंशिक असर रहा।बिश्रामपुर क्षेत्र सामान्य दिनों की तरह बुधवार को करीब दो हजार टन कोयला का उत्पादन किया वहीं डिस्पैच आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है।हड़ताल दिवस बिश्रामपुर क्षेत्र ने उत्पादन की अपेक्षा दुगुना से ज्यादा ४४८६.८२ टन कोयला रोड सेल के माध्यम से पार्टियों को भेजा है।हड़ताल दिवस खदान वार कोयला उत्पादन की बात करें तो रेहर खदान को २२६ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य था जबकि खदान से महज बीस टन ही कोयला निकाला जा सका।गायत्री खदान का लक्ष्य १७७४ टन था जबकि यहां से महज ६२७ टन कोयला निकाला जा सका वही देश की पहली एमडीओ मोड में संचालित केतकी भूमिगत खदान प्राप्त लक्ष्य १५१६ टन की जगह १३०० टन कोयला निकाला जा सका ।क्षेत्र की अन्य खदानों में आमगांव खदान से महज साठ टन कोयला उत्पादन हुआ ।इस प्रकार क्षेत्र एकदिवसीय लक्ष्य ८३५५ की जगह चौथाई हिस्सा २००७ टन कोयला उत्पादन कर सकी है ।जबकि क्षेत्र में हड़ताल दिवस ८४०० क्यूबिक मीटर ओबी हटाने का का कार्य आमगांव खदान से हुआ है ।वही भटगांव क्षेत्र से भी हड़ताल दिवस सामान्य दिनों की तरह बारह हजार टन कोयला का उत्पादन किया।दोनो क्षेत्रों में मजदूरों की उपस्थित पचास प्रतिशत से अधिक रही है।

एकाएक क्षेत्र का उत्पादन गिरा बता दें कि अभी हाल ही में क्षेत्र आठ हजार टन से अधिक रोजाना कोयला उत्पादन कर रही थी। लेकिन आमगांव और अमेरा खदान में अधिग्रहित भूमि का आधिपत्य नहीं मिलने पिछले तेज बारिश में दोनों खुली खदानों में बारिश का जल खदान में घुस जाने सहित कुमदा सहक्षेत्र की दोनों खदान बंद हो जाने से क्षेत्र का उत्पादन एकाएक बैठ गया है ।बताया जाता है कि आमगांव खदान के विस्तार में पटना गांव की जमीन से कोयला निकाला जाना है लेकिन यहां गांव के सरपंच द्वारा राजनीति में अपना ग्राफ बढ़ाने ग्रामीणों को भड़का कर प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन के लिए उकसाने से आमगांव खदान के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं ।प्रबंधन ने यहां ४६४ खातेदारों में ११७ ग्रामीणों को नौकरी दे चुकी है जो दूसरे क्षेत्रों में ड्यूटी कर रहे है ।प्रबंधन ने कड़ाई बरतते हुए ११० ग्रामीणों को ड्यूटी से बैठा दिया है ।प्रबंधन यहां ग्रामीणों से लगातार संवाद कर खदान शुरू कराने प्रयास रत है ।खबर है कि प्रबंधन खदान में अवरोध उत्पन्न करने वालों के खिलाफ थाना में शिकायत करने न्यायालय से भी घेराबंदी में जुटी है ।ताकि किसी तरह खदान खोला जा सके।

खस्ताहाल सड़क बनी जानलेवा, कीचड़ में स्कूली बच्चों की जान जोखिम में

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
बरसात शुरू होते ही क्षेत्र की सड़कों की बदहाली एक बार फिर लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। सुरजपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत जुड़वानी नवापारा चौक से लेकर जुड़वानी पंचायत भवन होते हुए करवां पहुंच मार्ग पर कीचड़ और पानी से लबालब गड्ढों ने ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की राह मुश्किल कर दी है। जहां एक ओर ग्रामीण हादसों का शिकार हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्कूली बच्चे जान हथेली पर रखकर इसी रास्ते से स्कूल जाने को मजबूर हैं। इस मार्ग से आसपास के गांवों के छात्र-छात्राएं प्रतिदिन करवां हाईस्कूल समेत अन्य विद्यालयों में पढ़ाई

करने आते हैं, लेकिन रास्ते की हालत इतनी बदतर है कि बरसात के दौरान जलभराव, फिसलन और गंदगी के चलते बच्चों के लिए यह सड़क अब डर और दुर्घटनाओं की दहलीज बन गई है। ग्रामीणों के अनुसार वर्षों पूर्व पंचायत विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत लाखों रुपए की लागत से इस सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन कुछ ही सालों में सड़क टूटकर गड्ढों में तब्दील हो गई। न तो मिट्टी-मुरूम डाला गया, न ही जल निकासी की कोई व्यवस्था की गई। स्थिति यह है कि अब तक केवल कागजों में ही मरम्मत कार्य को पूरा दिखा दिया गया, जबकि जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित विभाग की उदासीनता के कारण ही आज स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वे बीते चार-पांच वर्षों से लगातार इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सड़क की खस्ताहाल स्थिति अब ग्रामीणों के धैर्य की परीक्षा ले रही है।ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत एवं जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो वे मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और आमजन की सुविधा के लिए यह मुद्दा अब सहन करने की सीमा से बाहर हो चुका है। ज्ञात हो कि यह मार्ग न सिर्फ एक आम रास्ता है, बल्कि कई स्कूली बच्चों की शिक्षा और ग्रामीणों के जीवन का प्रमुख जरिया है। यदि समय रहते संबंधित विभाग सजग होकर सड़क की मरम्मत नहीं करता, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

पांचवीं,आठवीं की अंकसूची में भारी त्रुटि बच्चे अभिभावक दोनों परेशान

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
सूरजपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सिलफिली क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में इस वर्ष कक्षा ८ वीं के रिजल्ट में हुई गंभीर गड़बड़ी ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को गहरे संकट में डाल दिया है। रिजल्ट में त्रुटियों के चलते कई बच्चों का कक्षा ९ वीं में प्रवेश रुक गया है, जिससे न सिर्फ शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है बल्कि बच्चों के भविष्य पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं ।बताया जा रहा है कि कक्षा ८ वीं का जो वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी किया गया है, उसमें नाम, माता व पिता का नाम और विषयवार विवरण में भारी विसंगतियां पाई गई हैं। इन गड़बड़ियों के चलते बच्चों को आगे की कक्षा में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। नतीजा यह कि जहां एक ओर नए सत्र की कक्षाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, वहीं ये बच्चे और उनके अभिभावक स्कूलों के चक्कर लगाते फिर रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि वे लगातार शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन हर बार आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिल रहा है ।इस पूरे मामले में सबसे चिंता की बात यह है कि शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं। न तो कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं और न ही कोई उचित कदम उठाए जा रहे हैं ।इससे लोगों में विभाग की कार्यशैली को लेकर गहरी नाराजगी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने चेताया है कि यदि शीघ्र ही रिजल्ट की गलतियों को सुधारते हुए बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई, तो जन आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

दूसरी बार छपी अंकसूची उसमें भी गड़बड़ी

बताया जाता है कि नई शिक्षा नीति के तहत इस वर्ष पांचवी आठवीं की केंद्रीयकृत(बोर्ड) की परीक्षा ली गई थी जिसमें जिलावार बच्चों के प्राप्तांक व उनके डीटेल एक्सल डाटा में संग्रह कर मार्कशीट प्रिंटिंग के लिए रायपुर भेजा गया था, जहां पहली बार भेजी गई अंकसूची में बड़ी त्रुटि मिलने के बाद उसका वितरण रोक दिया गया था, बाद में सुधार कर दूसरी बार अंकसूची आई है उसमें भी कई विद्यार्थियों के नाम सहित अन्य विवरण में त्रुटि मिल रही है जिससे बच्चों और अभिभावक परेशान हैं ।इस संबंध में सूरजपुर खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार पोरते ने बताया कि दूसरी बार भी रायपुर से बनकर आई अंकसूची में गड़बड़ी की जानकारी मिली है गड़बड़ी वाले अंकसूची का वितरण रोक दिया गया है ।डाटा संग्रह कर पुनः रायपुर भेज रहे है सुधार के बाद अंकसूची का वितरण होगा,इसमें परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है,प्रवेश के लिए किसी भी बच्चे को दिक्कत न हो इसके लिए सभी स्कूलों को निर्देशित किया गया है, स्कूल के रिकॉर्ड के आधार पर बच्चों को संबंधित विद्यालय में तत्काल प्रवेश देने की व्यवस्था की गई है।

जनसहयोग से बना लक्ष्य से अधिक सोख्ता गड्ढ़ों का निर्माण

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में जिले में मोर गांव मोर पानी अभियान का सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जल के पुनरक्षण के लिए जिले में जनभागीदारी और श्रमदान के माध्यम से १ लाख २२ हजार ४५५ सोख्ता गड्ढ़ों का निर्माण किया गया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा मैदानी स्तर पर निगरानी ने अभियान को पंचायत स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लक्ष्य तय कर प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा की। गांव में जिला पंचायत सीईओ स्वयं पहुंच सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण का अवलोकन किया और ग्रामीणों से संवाद कर अन्य लोगों को भी अभियान में जोड़ने प्रेरित किया साथ ही सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण में स्वयं भी भागीदारी दिखाई। मोर गांव मोर पानी अभियान अंतर्गत जिले में १ लाख २० हजार सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। जिसमें से जनसहयोग से १ लाख २२ हजार ४५५ सोख्ता गड्ढ़ों का निर्माण किया गया। आमजनों ने भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। ग्राम पंचायतों में लोग सामुहिक रूप से सोख्ता गड्ढ़े बनाने में जुटे। जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में सोख्ता गड्ढ़ा निर्माण कर मोर गांव मोर पानी अभियान में शामिल होने समझाया। परिणाम स्वरूप जनसहयोग और श्रमदान के माध्यम से लक्ष्य से भी अधिक सोख्ता गड्ढ़ा का निर्माण किया गया। अभियान में किसी भी मशीनरी का सहारा न लेते हुए लोगों ने सोख्ता गड्ढ़ा बनाने स्वयं खुदाई की, गड्ढ़ों के चारों ओर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामाग्रीयों जैसे पत्थर, टूटे ईंट, रेत का उपयोग कर सोख्ता गड्ढ़ा का निर्माण किया गया।

14 वर्षीय युवक ने लगाई फांसी

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।
नगर के वार्ड क्रमांक १४ का युवक रोहित गुप्ता पिता राजेंद्र गुप्ता

उम्र २७ वर्ष वार्ड क्रमांक १३ में किराए के मकान में रहता था। जहां पर आज दोपहर २ बजे के करीब फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया घटना की जानकारी तत्काल स्वजनों ने रामानुजगंज थाने में दी घटना पर पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहित गुप्ता अपनी पत्नी के साथ वार्ड क्रमांक १३ में रहता था।

आज दोपहर २ बजे करीब पत्नी घर से बाहर में कुछ काम कर रही थी इसी दौरान रोहित घर के कमरे में गमछी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया आत्महत्या किए जाने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। मिलनसार, हसमुख रोहित के अचानक आत्महत्या किए जाने को लेकर जहां स्वजन सदमे में है वही यार दोस्त भी नहीं समझ पा रहे हैं कि आखिर में रोहित ने आत्महत्या क्यों किया।

सहकारी समिति बरोंडाबाजार में सुगम खाद वितरण व्यवस्था: किसानों ने जताई खुशी

महासमुंद। वर्तमान में मानसून सीजन का समय है ऐसे में किसानों के लिए समय पर खाद व बीज का इंतजाम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। महासमुंद जिले में खाद भण्डारण एवं वितरण की समुचित व्यवस्था से किसान संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा नियमित समीक्षा की जा रही है। जिससे किसानों को उपलब्ध खाद का आवश्यकतानुसार वितरण किया जा रहा है। जिले में अब तक 35798 टन खाद का भण्डारण किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के सहकारी समितियों के माध्यम से भी खाद का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। ऐसे ही 10 जुलाई की स्थिति में सहकारी समिति बरोंडाबाजार में खाद की उपलब्धता एवं वितरण की व्यवस्था से किसान खुश नजर आ रहे हैं। समिति प्रबंधक ने बताया कि समिति में अब तक यूरिया 66.60 टन, सुपर फॉस्फेट 50 टन, पोटाश 25 टन, डी.ए.पी. 50 टन तथा एन.पी.के. 25 टन का भंडारण किया गया है, जिसमें से 51.010 टन खाद अभी भी विक्रय हेतु शेष है।
खाद वितरण की यह व्यवस्था किसानों के लिए राहत भरी साबित हो रही है। ग्राम लाफिन खुर्द के लघु कृषक श्री गंगाराम मार्कंडेय ने समिति में उपलब्ध खाद व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि उन्हें समय पर उनकी जरूरत के अनुसार 2 बोरी यूरिया और 2 बोरी सुपर फॉस्फेट उपलब्ध कराई गई।

सेवा व समर्पण के 8 वर्ष पूर्ण...गौ भंडारा का आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
आज गौ सेवा मंडल सरगुजा के ८ वर्ष पूर्ण होने पर सरगुजा संभाग में पहली बार गौ भंडारा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे गौ सेवा मंडल की टीम द्वारा पूरे शहर में आवारा पशुओं को घूम घूम कर हरा चारा खिलाया जाएगा।
गौ सेवा मंडल सरगुजा के इन आठ वर्षों में मंडल की टीम ने लगभग १२००० (बारह हजार) से अधिक गौवंश व अन्य बेजुबानों का रेस्क्यू (कुँए, सेफ़्टी टैंक, गढ्ढे, दलदल, नाला) कर उनका उपचार किया और लगभग २५००० (पचीस हजार) गौवंश व अन्य बेजुबानों को सड़क पर ही इलाज कर ठीक करने का कार्य किया गया। मंडल की टीम ने वहाँ जाकर गौवंशो का रेस्क्यू किया है जहाँ आम नागरिक पास जाना क्या दूर से ही भागते है ऐसे सेप्टी टैंक जो उपयोग में है उसमें से गौवंश को निकालकर सुरक्षित करने का काम किया है।
गौ सेवा मंडल की टीम द्वारा समय समय पर गौवंशो को रेडियम बैल्ट

बांधने का कार्य किया है यह रेडियम बैल्ट रात्रि के समय चमकता है जिससे सड़क पर बैठे गौवंश दूर से ही दिखाई दे देते है जिससे दुर्घटनाओं में कमी आती हैं।जब पूरा देश कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के सकंट मे था तब लोग अपने घरों से निकलने से डरते थे उस समय भी गौ सेवा मंडल की सेवा जारी रही। साथ ही मंडल के सदस्यों ने पहल किया कि इंसान का तो पेट भरने के लिए कई संस्था कार्य कर रही है किन्तु शहर में आवारा पशु (गाय व कुत्ता) भुखमरी के शिकार न हो जाए, इसके लिए मंडल टीम बनाकर शहर के आवारा पशुओं जैसे गाय, कुत्ता, बिल्ली को शहर के विभिन्न मार्गों में घूम घूमकर चारा व बिस्किट खिलाने का कार्य किया।गर्मियों के मौसम में शहर के मुख्य मार्गो व चौक चौराहों (जहाँ पर गौवंश समूह में रहते है) पर नाद रखवाया गया जिससे पशुओं को गर्मी के दिनों में पानी की कमी से मृत्यु न हो, साथ ही शहर वासियों से अपील किया गया कि अपने आस-पास के आवारा पशुओं हेतु पानी व चारे की व्यवस्था जरूर करें। शुरूआत के दिनों में मानव सेवा हेतु रोटी व आचार का वितरण भी किया गया।

मानसून काल में सिग्नल एवं दूरसंचार को दुरुस्त रखने रेल कर्मी बरत रहे सतर्कता

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
मानसून का आगमन जहाँ एक ओर वातावरण को शीतलता और ताजगी से भर देता है, वहीं रेलवे जैसे विशाल नेटवर्क के लिए कई चुनौतियाँ भी साथ लाता है । रेल पटरियों पर जलभराव, सिग्नल प्रणाली में नमी प्रवेश, बिजली आपूर्ति में व्यवधान जैसी समस्याएँ मानसून में सामान्य हैं, जो रेल संचालन को प्रभावित कर सकती हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार (एसएंडटी) विभाग विशेष सावधानियों के साथ मानसून के दौरान भी रेल परिचालन को संरक्षित, समयबद्ध एवं निर्बाध बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । रेलवे स्टेशनों के प्वाइंट एवं ट्रैक सर्किट क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को रोकने हेतु यार्डों की जल निकासी प्रणाली की सफाई कराई गई है । मानसून से पहले ही सभी सुधारात्मक कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं । साथ ही, आकाशीय बिजली से बचाव के लिए कई स्टेशनों पर सेल्फ-रिस्टोरिंग पीपीटीसी फ्यूज लगाए गए हैं, जिससे उपकरणों की सुरक्षा और संचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके ।इसके साथ ही सभी सिग्नल पोस्ट की जाँच कर उनके अंदर पानी या

नमी के रिसाव की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त किया गया है । सिग्नल इकाइयों को विशेष गैस्केट और सीलिंग से सुरक्षित किया गया है । सिग्नल लैंपों के प्रत्येक छिद्र को बंद कर पूरी प्रणाली को मौसमरोधी बनाया गया है ।रिले रूम, बैटरी रूम और पैनल रूम की छतों की सफाई कर पानी जमा होने की स्थिति से बचाव किया गया है । क्षतिग्रस्त खिड़कियाँ, दरवाजे और छतों की मरम्मत समय रहते की गई है । ड्रेनेज पाइपों को भी साफ कर किसी भी तरह की रुकावट को दूर किया गया है । लोकेशन बॉक्सों की भी गहन जांच कर आवश्यक मरम्मत की गई है ।मानसून के दौरान विद्युत आपूर्ति में संभावित व्यवधान को ध्यान में रखते हुए स्टैंडबाय पावर सप्लाई की व्यवस्था की गई है । जहाँ कहीं भी बिजली आपूर्ति में अनियमितता पाई गई, वहाँ जेनेरेटर सेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि बैटरी निरंतर चार्ज हो सकें और सिग्नलिंग व्यवस्था सुचारु बनी रहे ।पुराने या क्षतिग्रस्त केबलों को मानसून से पहले ही बदला गया है। सभी जंक्शन बॉक्स, लोकेशन बॉक्स तथा सिग्नल पोस्ट में केबल की इंसुलेशन जांच की गई है और अर्थ फॉल्ट को दूर किया गया है । सभी महत्वपूर्ण उपकरण जैसे ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट, आईपीएस, एक्सल काउंटर, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग आदि पर उचित अर्थिंग की गई है और उनकी कार्यक्षमता सुनिश्चित की गई है ।
जोनल मुख्यालय स्तर पर सभी विभागों के अधिकारी और पर्यवेक्षक प्रतिदिन पर फेलियर की समीक्षा करते हैं और आवश्यक सुधारात्मक सुझाव प्रदान करते हैं । इन सुझावों का पालन कर्मचारीगण पूरी तत्परता से करते हैं, जिससे संपूर्ण प्रणाली की दक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे।

मैनपाट पर्यटन विकास को मिलेगी नई उड़ानः मैनपाट होटल एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को सौंपा प्रस्ताव

विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण गठन, मॉल रोड, रोपवे व साहसिक खेल गतिविधियों की रखी मांग

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट को पर्यटन के राष्ट्रीय मानचित्र पर उभारने की दिशा में एक ठोस पहल करते हुए मैनपाट होटल एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को एक विस्तृत पर्यटन विकास प्रस्ताव पत्र सौंपा। जिसमें प्रस्तुत सभी प्रस्तावों और सुझावों की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मैनपाट को एक संतुलित, रोजगारोन्मुखी एवं प्रकृति-सम्मत पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव की सराहना करते हुए मैनपाट को पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील क्षेत्र बताया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य, ठंडे मौसम और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर स्थल है, जिसे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य की नवीन औद्योगिक नीति में पर्यटन को प्राथमिकता दी गई है। मैनपाट जैसे क्षेत्रों में होम स्टे योजना को प्रोत्साहित कर स्थानीय नागरिकों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। होटल एसोसिएशन ने अपने प्रस्ताव में मैनपाट को च्मिनी तिब्बतज्ज और

च्छत्तीसगढ़ का शिमलाज्ज बताते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इनमें विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (स्ध्र) का गठन, मॉल रोड, फ्लावर पार्क, हाउस बोट, ग्लास ब्रिज, सस्पेंशन ब्रिज, टॉय ट्रेन, रोपवे और एडवेंचर स्पोर्ट्स पार्क जैसे पर्यटन अधोसंरचनाओं के निर्माण की मांग शामिल है।

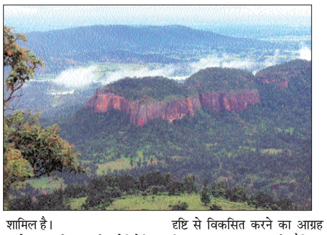

इसके साथ ही दलदली (लेविटेटिंग लैंड), उल्टा पानी, तिब्बती मठ, पाइन फॉरेस्ट और झरनों को पर्यटन दृष्टि से विकसित करने का आग्रह किया गया। जंगल सफारी, ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग जैसी साहसिक खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की भी बात कही गई। प्रस्ताव में रोड नेटवर्क, ड्रेनेज सिस्टम, व्यू पॉइंट्स में रेलिंग व टेलीस्कोप, स्ट्रीट लाइटिंग, और पर्याप्त पार्किंग सुविधाओं की आवश्यकता पर बल दिया गया। एसोसिएशन ने मैनपाट में पर्यटन व होटल प्रबंधन संस्थान, सांस्कृतिक केंद्र, खेल स्टेडियम और स्थानीय युवाओं के लिए प्रशिक्षण व रोजगार केंद्र की स्थापना की भी मांग रखी ।पाइन फॉरेस्ट में बढ़ रही अवैध कटाई और आगजनी की घटनाओं को लेकर एसोसिएशन ने चिंता जताई और जंगलों की सुरक्षा के लिए गार्ड तैनात करने व ट्रेकिंग पथों को संरक्षित करने की बात कही। वहीं, क्षेत्र में हो रही लगातार बिजली कटौती से पर्यटकों व स्थानीय नागरिकों को हो रही असुविधा की ओर भी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया गया और स्थायी समाधान की मांग की गई।
होटल एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हाल ही में आयोजित सांसद-विधायक प्रशिक्षण सत्र के जरिए मैनपाट को राज्य के शीर्ष नेतृत्व का ध्यान आकर्षित हुआ है। मैनपाट आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ ही नहीं, देश का एक प्रमुख प्रकृति आधारित पर्यटन स्थल बनकर उभरेगा।

छोटी खबरें

भरतनाट्यम में संभावनाएं जगाती हैं सान्वी की प्रस्तुति

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल में आषाढी एकादशी के सुगम गीत- संगीत व लघु नाटिका में अगर पूरे कार्यक्रम की कोई हाईलाइटर रहीं, तो वो हडको भिलाई की भरतनाट्यम की सिद्धहस्त नृत्यांगना 13 वर्षीय सान्वी मुकुंद अवधुत थीं। जिन्होंने महज छह मिनट की एकमात्र गणेश वंदना प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महाराष्ट्र मंडल के संगीत- नृत्य की समझ रखने वालों के अनुसार भरतनाट्यम शैली में प्रस्तुत सान्वी के डांस की शुरूआत गणेश वंदना से हुई। इसमें उन्होंने 12 से अधिक हस्तमुद्राओं का कमल पुष्प अर्पण करने के लिए पद्मकोष, अलापद्मा हस्तमुद्रा सहित अनेक मुद्राएं प्रस्तुत कर गणपति के एकदंत, वक्रतुंड अवतार दिखाए। सान्वी ने शिखर हस्त मुद्रा से शिव का अवतार भी प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। यह सब संभव हो पाया सान्वी के सात वर्षों से भरतनाट्यम नृत्य को लेकर जारी प्रशिक्षण और जुनूनी अभ्यास से। पिता मुकुंद अवधुत बताते हैं कि सान्वी नृत्य गुरु राखी राय से भरतनाट्यम सीख रही हैं और राखी सहित पालक उपाध्याय से प्रेरित भी। हाल ही में उन्होंने सेंटर ऑफ कल्चरल रिसोर्सेस एंड ट्रेनिंग न्यू दिल्ली में आयोजित कल्चरल टेलेंट सर्च वर्ष 2024-25 की परीक्षा उत्तीर्ण कर जूनियर सीसीआरटी स्कॉलरशिप होल्डर रहीं।

महामहिम राज्यपाल रमेन डेका का कोरबा प्रवास 11 एवं 12 जुलाई को

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ राज्य के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ११ एवं १२ जुलाई को कोरबा प्रवास पर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ११ जुलाई को शाम ४.०० बजे सर्किट हाउस बिलासपुर से प्रस्थान कर शाम ५.३० बजे एनटीपीसी गेस्ट हाउस कावेरी भवन कोरबा पहुंचेंगे एवं रात्रि विश्राम करेंगे।

महामहिम राज्यपाल श्री डेका १२ जुलाई को प्रातः ९.४५ बजे कावेरी भवन से प्रस्थान कर ९.५५ बजे कलेक्टोरेट पहुंचेंगे। वे यहां एक पेड़ माँ के नाम पोधारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगे। दोपहर ११.५० बजे कलेक्टर आफिस से एनटीपीसी कावेरी भवन के लिए प्रस्थान कर लंच करेंगे। वे दोपहर १ बजे पोड़ी उपरोड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे और पोड़ी उपरोड़ा मुख्यालय में दोपहर १.३० बजे एक पेड़ मां के नाम पोधारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगे। वे यहां से अपरान्ह ३ बजे राजभवन रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

राशन दुकान संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-२०१६ के खण्ड-९ में उपबंधित निर्बन्धनों एवं शर्तों के अधीन एवं रिक्तता के आधार पर विकासखण्ड पाली क्षेत्रांतर्गत, ग्राम पंचायत-जेमरा, सेन्द्रीपाली, परसदा, बारीउमराव, मुंगाडीह एवं कर्रानवापारा की शासकीय उचित मूल्य दुकानों को नवीन संचालक संस्था को आबंटित किए जाने हेतु कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०), पाली, जिला कोरबा स्तर से ईश्तहार दिनांक १८.०६.२०२५ प्रकाशित किया जाकर, राज्य शासन द्वारा अधिकृत एजेंसियों-वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्प्स), ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, वन सुरक्षा समितियॉ, अन्य सहकारी समितियॉ, जो छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनिम-१९६० अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारिता अधिनियम-१९९९ के तहत पंजीकृत हो, के माध्यम से कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी, पाली, जिला कोरबा समक्ष दिनांक ०४/०७/२०२५ तक आवेदन आमंत्रित कराया गया था। निर्धारित समयावधि के भीतर उपरोक्त छः ग्राम पंचायतों हेतु अपेक्षानुसार आवेदन प्राप्त न हाने के कारणवष ईच्छुक संस्थाओं को आवेदन प्रस्तुतिकरण हेतु पुनः अवसर प्रदान करते हुए आवेदन जमा की अंतिम तिथि में दिनांक २२.०७.२०२५ तक वृद्धि की जाती है। तत्पष्चात प्राप्त आवेदनों पर पुनर्विचार नही किया जावेगा। तदनुसार सर्व-साधरणजन हेतु सूचनार्थ प्रकाशित।

घुइटांगर से ग्रीस तकः अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर दौड़ में रचा भारतीय एथलेटिक्स का इतिहास

नंगे पांव की शुरूआत से अंतरराष्ट्रीय ट्रैक तक का सफर तय कर अनिमेष बने लोगों के लिए प्रेरणा

कोरबा अम्बिकावाणी - बुलंद हौसले और मजबूत इरादों के साथ गढ़ी गई धावक अनिमेष कुजूर की सफलता लोगों के लिए प्रेरणादायी है। जशपुर जिले के छोटे से गांव घुइटांगर की पगडंडियों पर कभी नंगे पांव दौड़ने वाला लड़का आज देश की सबसे तेज दौड़ का रिकॉर्ड बना चुका है। ५ जुलाई २०२५ को ग्रीस के वारी शहर में आयोजित ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट मीट में १०० मीटर की दौड़ को १०.१८ सेकंड में पूरा कर अनिमेष कुजूर ने इतिहास रच दिया। हालांकि वह तीसरे स्थान पर रहे। पहला दक्षिण अफ्रीका, दूसरा ओमान, लेकिन उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स का नया कीर्तिमान रच दिया। अमृत कुजूर ने बताया कि जब उन्हें फोन पर बताया गया कि उन्होंने १०.१८ सेकंड में दौड़ पूरी की है, तब उन्हें समझ नहीं आया की इसका क्या मतलब है। बाद में जब अखबारों और टीवी के माध्यम से पता चला की भारत की यह सबसे तेज दौड़ है तो यह उनके लिए एक अविस्मरणीय पल था।

सैनिक स्कूल में रहकर सीखा कड़ी मेहनत और लगन का पाठ

अनिमेष को यूं ही पहचान नहीं मिली इसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत और संकल्प है। संसाधनों की कमी कभी उनके संकल्प के रास्ते में बाधा नहीं बनी। जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखण्ड स्थित घुइटांगर जैसे छोटे से गांव में जन्मे अनिमेष, कोई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से नहीं निकले, उन्होंने अपने शुरूआती कदम खेतों के मेड़ों और कच्चे रास्तों पर दौड़ते हुए उठाए। माता-पिता की सरकारी नौकरी के कारण अनिमेष का बचपन छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में बीता। प्रारंभिक शिक्षा महासमुंद जिले के वेडनर मिशन स्कूल में हुई। पाँचवीं के बाद वे कांकेर आ गए, जहाँ उन्होंने सेंट माइकल स्कूल में पढ़ाई की। जीवन में असली मोड़ तब आया जब छठवीं कक्षा में उनका चयन सैनिक स्कूल अंबिकापुर में हो गया। यहीं से उनके जीवन में अनुशासन और कड़ी मेहनत की जो नींव पड़ी वह उनके जीवन की दिशा बदल दी।

उसके पिता अमृत कुजूर कहते हैं कि सैनिक स्कूल में एडमिशन हमारे लिए किसी सपने से कम नहीं था। वहाँ की कड़े अनशासन ने उनके दिनचर्या को निखारा। अनिमेष के माता और पिता दोनो छत्तीसगढ़ पुलिस में बतौरा डीएसपी के पद पर पदस्थ है और वर्तमान में दोनो बलौदा बाजार में पदस्थ हैं। अनिमेष के पिता अमृत कुजूर ने बताया कि कोरोनाकाल में स्कूल, खेल, कोचिंग सब बंद थे। तब सैनिक स्कूल में रहकर अनिमेष ने खुद को एक नई दिशा दी और वह एथलेटिक्स बनकर लोगों के सामने उभरा। पिता ने बताया कि हमें उसने कभी नहीं बताया कि वो दौड़ना शुरू कर चुका है। जब पहली बार उसने बताया कि वो स्कूल में रनिंग कर रहा है, तो हमें अच्छा लगा, पर अंदाजा नहीं था कि यह एक जुनून में बदल जाएगा।

एक साथ पांच स्पधाओं में स्वर्ण पदक पाकर चढ़ी सफलता की सीढ़ियां - कांकेर जिले में जब युवा एवं खेल विभाग द्वारा एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अनिमेष ने १०० मीटर दौड़ ,२०० मीटर दौड़, ४०० मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने पाँचों में स्वर्ण पदक जीता। इस असाधारण जीत ने अनिमेष को नई पहचान दी। इस प्रदर्शन के बाद अनिमेष को रायपुर वेस्ट जोन एथलेटिक्स मीट में भेजा गया। वहाँ भी उन्होंने १०० और २०० मीटर में गोल्ड मेडल जीतकर गुवाहाटी में नेशनल अंडर-१८ प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। लेकिन वहाँ एक चुनौती सामने आई उन्होंने कभी स्पाइक शूज नहीं पहने थे। प्रतियोगिता से पहले उनके पिता ने उन्हें जीवन के पहले प्रोफेशनल स्पाइक शूज दिलाए। वो पहली बार उन जूतों को पहनकर नेशनल ट्रैक पर दौड़े और १०० व २०० मीटर दोनों में चौथा स्थान प्राप्त किया। अनिमेष की सफलता इस बात का प्रमाण है कि जशपुर जैसे सीमावर्ती और वन बहुल जिलों से भी निकलकर प्रतिभाएं अंतर्राष्ट्रीय फलक पर छाने लगी है।

बालको के सुपरहीरो मैदान से मशीन तक हर मोर्चे पर विजयी

कोरबा अम्बिकावाणी - भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) सिर्फ एक औद्योगिक संस्थान नहीं, बल्कि उन सपनों की भूमि है जहां मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास से असंभव को संभव बनाया जाता है। यहां के कर्मचारी अपने कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ खेलों में भी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बालको का नाम रोशन कर रहे हैं। चाहे वह मार्शल आर्ट्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले नवीन नायक हों, क्रिकेट मैदान में धमाका करने वाली ट्रांसजेंडर गीतू यादव, ऑलराउंडर नरेश कश्यप हों या फिर अंतरराष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे मुकेश कुमार गुप्ता, इन सभी की कहानियां दशार्ती हैं कि बालको का हर कर्मचारी सिर्फ एक प्रोफेशनल ही नहीं, बल्कि जुनून, अनुशासन और प्रेरणा का प्रतीक है।

नवीन नायक की स्वर्णिम छलांग, बने स्टेट चैंपियन - बिजनेस एनालिस्ट नवीन नायक ने बालको में अपनी पेशेवर भूमिका के साथ-साथ खेल जगत में भी अपनी पहचान बनाई है। उनकी गोल्ड मेडल जीत इस बात का प्रमाण है कि आत्म-नियंत्रण और निरंतर प्रयास से असंभव भी संभव हो जाता है। नवंबर २०२४ में कोरबा स्थित एक एमएमए अकादमी से मार्शल आर्ट्स की शुरूआत करने वाले नवीन ने प्रतिदिन सुबह उठकर कराटे, ताइक्वांडो, जूडो, किकबॉक्सिंग और बॉक्सिंग का कठिन प्रशिक्षण लिया। मार्च २०२५ से मजबूती के साथ ताइक्वांडो पर केंद्रित अभ्यास शुरू किया। मई और जून के महीनों में जब अधिकांश लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, तब नवीन ने दिन-रात अभ्यास किया। इस मेहनत का फल उन्हें जुलाई २०२५ में मिला, जब उन्होंने छत्तीसगढ़ स्टेट ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी कड़ी मेहनत को सार्थक किया। यह जीत केवल एक पदक नहीं, बल्कि उनकी इच्छाशक्ति और अनुशासन का प्रतीक है।

बालको 'ऑलराउंडर' नरेश कश्यप ने दिखाया - ऑफिस की जिम्मेदारियों और खेल की चुनौतियों के बीच संतुलन बनाकर, बालको कर्मचारी नरेश ने यह दिखा दिया कि एक सच्चा खिलाड़ी केवल मैदान में ही नहीं,

जीवन के हर क्षेत्र में चमकता है। नरेश कश्यप की कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो यह मानते हैं कि प्रोफेशनल सफलता और स्पोर्ट्स पैशन एक साथ नहीं चल सकते। छत्तीसगढ़ लीजेंड्स प्रीमियर लीग (सीएलपीएल) में क्रिकेट के मैदान पर अपना जादू बिखेरा। २६० रन बनाकर टूनामेंट के सर्वाधिक रन स्कोरर बने। आतिशी पारी के लिए मास्टर ब्लास्टर का खिताब मिला। सीजीवीसीए और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित इस टी२० टूनार्मेंट में आईपीएल की तर्ज पर प्लेयर ऑक्शन के साथ हुआ, नरेश ने अपनी बहुआयामी प्रतिभा से सभी को चौंकाया। नरेश की यह प्रदर्शन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि उनके जुनून और मेहनत का प्रमाण है। उन्होंने यह दिखाया कि जुनून के साथ खेला गया हर खेल, एक मिसाल बन जाता है। उन्होंने बालको की तरफ से खेलते हुए अपनी कप्तानी में कई बार केएल मेहता तथा अन्य कप में जीत दिलायी है।

वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे मुकेश - शिवरीनारायण के छोटे से कस्बे से निकलकर, बालको कर्मचारी मुकेश कुमार गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया है। अब भारत के उस बॉडीबिल्डिंग टीम का हिस्सा हैं, जो नवंबर में इंडोनेशिया में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भाग लेने जा रही है। रोजाना ८ घंटे की शिफ्ट और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद उन्होंने अपने सपने को जिंदा रखा। दो साल के ब्रेक के बाद उन्होंने लौह-इच्छाशक्ति के साथ वापसी की। ३ जून २०२५ को पुणे के सिल्वर पैलेस में हुए ट्रायल्स में उन्होंने भारतीय टीम के लिए चयनित हुए जो नवंबर में इंडोनेशिया में होने वाली वर्ल्ड चैम्पियनशिप में हिस्सा लेगी। अपने चयन को सही साबित करते हुए १५ जून को भूटान के थिम्पू में आयोजित साउथ एशियन बॉडीबिल्डिंग चैम्पियनशिप में उन्होंने भारत के लिए रजत पदक जीता। ८० किग्रा वर्ग में यह पदक जीतने वाले मुकेश ने कहा कि उनके पास अब चार महीने हैं और वे देश के लिए एक सशक्त चुनौती के रूप में उभरने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगे।

सोनाली सेनापति ने अपने बल्लेबाजी का दिखाया दम - बालको लेडीज क्लब की सदस्य सोनाली सेनापति ने क्रिकेट मैदान पर ऐसा प्रदर्शन किया, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उर्जा कप विमेंस प्रीमियर लीग में उन्होंने मात्र ३१ गेंदों में १०२ रनों की विस्फोटक पारी खेली और बेस्ट बैट्सवुमन का खिताब जीता। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, ताकत और तकनीक का शानदार मिश्रण देखने को मिला, जो महिला क्रिकेट के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है। उनका जज्बा इस बात का प्रतीक है कि अगर हौसला हो, तो कोई भी सीमा बड़ी नहीं होती।

गीतू ने पीपल्स यूनिटी कप में लिया भागः भारत की पहली ट्रांसजेंडर क्रिकेट लीग - बालको में कार्यरत गीतू यादव और सुदिप्ता ने देश की पहली ट्रांसजेंडर क्रिकेट लीग पीपल्स यूनिटी कप में भाग लेकर इतिहास रच दिया। ओशेनिक द्वारा आयोजित यह टूनार्मेंट पंचकूला के ताऊ देवी लाल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह कप समावेशिता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हुआ।इसमें देशभर से ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा, साहस और खेल भावना का परिचय दिया। गीतू इससे पहले बालको प्रीमियर लीग में भी बेहतरीन खेल दिखा चुकी हैं। पीपल्स यूनिटी कप सिर्फ एक क्रिकेट टूनार्मेंट नहीं, बल्कि समाज में बदलाव और समावेशिता का प्रतीक बन गया है।

कृषि महाविद्यालय में लगी यातायात की कार्यशाला

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई के बैनर तले आयोजित हुआ कार्यक्रम

रायपुर। कृषि महाविद्यालय रायपुर में यातायात कार्यशाला का आयोजन किया गया, यातायात कार्यशाला में संजय शर्मा सहायक पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं अध्यक्ष अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा छत्तीसगढ़ ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रतिवर्ष भारतवर्ष में लगभग ५ लाख रोड एक्सीडेंट होते हैं ,जिसमें १ लाख ८० हजार लोगों की मृत्यु तथा लगभग ४ से ०श५ लाख लोग घायल हो रहे हैं यह आंकड़ा भयावह है और यह प्रतिवर्ष कम होने की बजाय बढ़ रहा है जो काफी चिंताजनक है, उन्होंने आगे कहा कि यदि दोपहिया वाहन चालक/सहयात्री हेलमेट धारण कर लें और चार पहिया वाहन चालक एवं सहयात्री सीट बेल्ट धारण करें तो इस मानव मृत्यु में ४२ प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है, इस प्रकार उन्होंने सभी को हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर प्रशांत शुक्ला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में सर्वाधिक मानव मृत्यु दो पहिया वाहन चालकों की होती है जिसमें प्रथम कारण हेलमेट धारण नहीं करना एवं दूसरा कारण है समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं होना, जिस पर कमी लाने के लिए भारत सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय के द्वारा जारी गुड सेमेमरिटन योजना (अच्छा मददगार) के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति(राहगीर) किसी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करता है तो उसे सरकार द्वारा २५ हजार तक का इनाम राशि घोषित की गई है, साथ ही पंजीकृत अस्पताल में डेढ़ लाख की राशि तक मुक्त इलाज की भी घोषणा की गई है । अतः सभी आगे बढ़कर दुर्घटना में घायलों की मदद करें इससे निश्चित ही सड़क दुर्घटनाओं में मानव मृत्यु में कमी आएगी । साथ ही एम परिवहन एप में आम नागरिकों को दिए गए अधिकार के संबंध में भी जानकारी दिए। कार्यशाला में यातायात प्रशिक्षक टीके भोई एवं आरक्षक सहदेव वर्मा ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से यातायात के नियम जैसे रोड मार्किंग, सड़क संकेत, वाहन चालक संकेत, विद्युत सिग्नल एवं यातायात पुलिस का मैनुअल संकेत आदि के बारे में जानकारी देते हुए पालन करने अपील किया।

राज्य में खाद-बीज और कीटनाशक औषधियों की गुणवत्ता की जांच जारी, 4775 मानक और 297 नमूने पाए गए अमानक

00 अब तक जांच के लिए 6,245 नमूने लिए गए,

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निदेर्शानुसार कृषि विभाग द्वारा राज्य में रासायनिक उर्वरकों, बीज एवं पौध संरक्षण औषधियों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए बीज, खाद और कीटनाशक औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है।

खरीफ सीजन 2025 में राज्य में रासायनिक उर्वरकों, बीज एवं पौध संरक्षण औषधियों के जांच के लिए अबतक 6245 नमूने लिए गए है। इनमें से सभी प्रक्ररणों को गुणवत्ता जांच के लिए भेजे गए है, जिसमें 4775 नमूने मानक और 297 अमानक पाए गए। 31 नमूनों को निरस्त किया गया तथा 1142 नमूनों में जांच की कार्यवाही चल रही हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा इस खरीफ सीजन में बीज के 5515 नमूने, उर्वरक के 4000 और पौध संरक्षण औषधी के 969 नमूनों को गुणवत्ता जांच के लिए लक्ष्य रखा गया हैं। लक्ष्य के विरूद्ध अबतक बीज के 4439, उर्वरक के 1641 और पौध संरक्षण औषधी के 165 नमूने लिए गए हैं। जिसे जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में प्रीक्षण कराया गया जिसमें बीज के 3613 नमूने मानक तथा 245 अमानक पाए गए, इसी तरह उर्वरक के 1078 नमूने मानक और 45 नमूने अमानक पाए गए तथा पौध संरक्षण औषधी के 84 नमूने अमानक तथा 7 नमूने अमानक पाए गए।

वनोपज से वनांचल के लोगों के जीवन में आ रही है आर्थिक समृद्धि - कश्यप

00 वन मंत्री की अध्यक्षता में आईडीसी की बैठक सम्पन्न

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आज वनोपज राजकीय व्यापार अर्न्तविभागीय समिति (आईडीसी) की 307वीं बैठक नवा रायपुर स्थित मंत्री निवास कार्यालय में सम्पन्न हुई। वनोपज राजकीय व्यापार अर्न्तविभागीय समिति की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बैठक में लिए गए जनकल्याणकारी निर्णयों से राज्य में लघु वनोपजों के व्यापार को ज्यादा मजबूती मिलेगी और वनांचल के लोगों की आय में बढ़ोत्तरी होगी साथ ही साथ उनके जीवन स्तर में आर्थिक बदलाव भी आयेगा। मंत्री श्री कश्यप ने उम्मीद जताई है कि इससे वनोपज निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

वन मंत्री मंत्री श्री केदार कश्यप ने 306वीं बैठक में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में वर्ष 2023-24, तथा 2024-25 के लिए भारत सरकार की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के अंतर्गत 16 प्रमुख वनोपजों जैसे महुआ फूल, तेंदूपत्ता (बीज रहित), गोंद, हर्रा, बहेरा, चिरौंजी, कोदो, कुल्थी, रागी, गिलोय, कुसुम बीज, बहेड़ा बीज आदि वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी के प्रस्ताव को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसी तरह बैठक में वर्ष 2024-25 एवं 2025 के लिए समर्थन मूल्य योजनांतर्गत वनोपजों की विक्रय दरों के निर्धारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रस्तावों पर भी समिति द्वारा विचार किया गया। इस अवसर पर सचिव वन श्री अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव, राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक श्री अनिल साहू, श्रीमती सलमा फारूकी सहित अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आप किसी समस्या के बारे में कितनी भी चिन्ता करें परन्तु क्या आपका चिन्तित मन उस समस्या का समाधान कर सकता है?
0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

मतदाता सूचियों की अद्यतन जरूरी

निर्वाचन आयोग छह राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद की तैयारी में है। तर्क है कि मतदाता सूची कई कारणों से बदलती रहती हैं। इसलिए इनका अद्यतन होना जरूरी है। विपक्षी दलों को इसमें बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने की आशंका हो रही है।

आयोग ने कहा कि वोटर सूची बदलाव मतदाताओं की मौत, प्रवासन, लोगों के स्थानांतरण और 18 वर्ष के नये मतदाताओं के जुड़ने के कारण होता है। संविधान का अनुच्छेद 326 निर्वाचक बनने के लिए पात्रता निर्दिष्ट करता है। केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के निवासी ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। आयोग का कहना है कि उसने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपलोड कर दी है। इसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण शामिल है। 2003 की सूची में शामिल लोग अपना गणना फार्म जमा करते समय साक्ष्य के रूप में इसका उपयोग कर सकते हैं। अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें 2003 की मतदाता सूची से अपना विवरण सत्यापित करना होगा। तर्क है कि चुनाव से पहले जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 25 के अनुसार मतदाता सूची में संशोधन अनिवार्य है। इस कवायद से विपक्षी दलों में खलबली है। ये दल इसे अपने समर्थक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की कवायद के रूप में देख रहे हैं। टीएमसी को तो लगता है कि यह केंद्र सरकार की विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिए गुपचुप तरीके से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) लाने की कुटिल चाल है। बिहार में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंसइ (इंडिया) ने इस पुनरीक्षण का कड़ा विरोध करने का फैसला किया है। उसने इसे विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन की मदद का प्रयास बताया है। राजद नेता तेजस्वी यादव का तर्क है कि आयोग पुनरीक्षण को लेकर इतना ही गंभीर था तो उसे लोक सभा चुनाव के तुरंत बाद इसे करना चाहिए था। मतदाताओं से ऐसे दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जो बहुत कम लोगों के पास ही हो सकते हैं। इसका शिकार दलित, मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग के लोग हो सकते हैं। हाल के समय में विपक्ष के सवालों पर चुनाव आयोग की चुप्पी ने विपक्ष के कान खड़े कर दिए हैं।

गुरु पूर्णिमा: मानवता को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने वाला पर्व

अर्जुन राम मेघवाल

भारत की सांस्कृतिक विरासत हमें मानवीय मूल्यों से परिचित कराती है तथा ज्ञान और शाश्वत शिक्षा प्रदान करती है। इसका विविध एवं सर्वव्यापी स्वरूप सामूहिक चेतना को जागृत करता है जिसकी अभिव्यक्ति भारत में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहारों के रूप में होती है। ये त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं हैं बल्कि ये हमारी प्रकृति के साथ जुड़ाव तथा वैज्ञानिक सोच एवं आध्यात्मिक चिंतन से जुड़े हैं। गुरु पूर्णिमा एक ऐसा ही विशेष अवसर है जो हमें इतिहास में घटित घटनाओं के बारे में रूककर विचार करने और उन्हें समझने का अवसर प्रदान करता है।

यह हमें यह जानने के लिए प्रोत्साहित करता है कि विगत की परिस्थितियों में अब क्या बदलाव आया है, किन बातों को हम अभी भी अपनाए हुए हैं और हमने अपने पीछे क्या कुछ छोड़ दिया है? हमने व्यक्ति के रूप में कितनी और सामूहिक रूप में कितनी उपलब्धियां हासिल की हैं? अपनाने और छोड़ने के इस दौर में हमारा साथ किन लोगों ने सबसे अधिक दिया? जीवन के उथल-पुथल एवं दुख से भरे समय में जबकि हमारा काफी अधिक पतन हो सकता था वैसे अस्थिर समय में किसने हमारा साथ दिया? ये सभी ऐसे प्रश्न हैं जिनके समाधान के लिए हमें गुरु या एक पथ-प्रदर्शक शक्ति की सर्वाधिक अहम भूमिका होती है चाहे वह कोई व्यक्ति हो, सिद्धांत हो या हमारे अंतर्मन की शक्ति हो जो हमारी जीवन यात्रा के दौरान सर्वाधिक शक्तिशाली मित्र के रूप में हमारा साथ निभाती है। समय की कसौटी पर खरे उतरे वे कौन से सिद्धांत हैं, जो हमें जीवन के पथ पर एक संतुलित यात्री बने रहने में सफल बनाते हैं। हमारे जीवन की इन सभी विविध परिस्थितियों के बीच प्रायः अदृश्य अथवा दृश्य, मूर्त या अमूर्त ऐसी शक्तियां होती हैं चाहे वो किसी पथ-प्रदर्शक का हाथ हो या कोई दिव्य विचार हो, मां का सानिध्य हो, शिक्षक के ज्ञान भरे शब्द हों या किसी मित्र का साथ हो जो हमारा पथ-प्रदर्शक बन जाता है। अतः गुरु पूर्णिमा ऐसे सभी शक्तियों को चाहे वह दृश्य हों अथवा अदृश्य, जो हमारा मार्गदर्शन करती हों, हमें सही रूप में ढालती हों और हमारे जीवन में उन्नति के पथ पर हमारा साथ देती हों, सभी को सम्मानित करने का एक पवित्र अवसर है। गुरु पूर्णिमा का त्योहार व्यक्ति के जीवन और उसके सामाजिक मूल्यों को एक सही रूप में ढालने में गुरु की भूमिका को सम्मानित करने की एक शाश्वत परंपरा है। आसाढ़ मास की पूर्णिमा के इस दिन का गहरा आध्यात्मिक, ऐतिहासिक तथा सामयिक महत्व है क्योंकि इसी दिन आदिगुरु भगवान शिव ने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान प्रदान किया था। इसी दिन महर्षि वेदव्यास की जन्म जयंती भी मनाई जाती है। इसके साथ ही, पूर्णिमा के दिन से चतुर्मास आरंभ होते हैं जो मानसून के दौरान के पवित्र चार महीने हैं जबकि साधु-संत किसी एक ही स्थान पर रहकर अपने शिष्यों को ज्ञान देते हैं। आसाढ़ मास की पूर्णिमा के बारे में ऐसा कहा जाता है कि इस दिन चांद के शीतल प्रकाश की ऊर्जा हमारे आंतरिक मन को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करती है। गुरु पूर्णिमा का यह त्योहार हमें उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है जिन्होंने हमारे मन में ज्ञान की ज्योति जगाई है। संस्कृत शब्द गुरु दो शब्दों गु (अंधकार) और रु (हटाना) का संयोजन है जिसका अर्थ होता है एक ऐसा व्यक्ति जो हमारे मन से अंधकार अर्थात अज्ञानता को दूर करता हो। प्राचीन वैदिक परंपरा में गुरु शिष्य परंपरा शिक्षा का आधार थी। गुरुकुल में शिक्षार्थियों को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करके उन्हें विचारशील बनाया जाता था तथा नैतिकता का पाठ पढ़ाकर उनकी नैतिक दुविधाओं का समाधान किया जाता था। गुरुकुल में शिक्षा की यह प्रक्रिया शिक्षार्थियों को कर्म के माध्यम से मूल्य आधारित जीवन जीने व चरित्र निर्माण करने के लिए निरंतर प्रेरित करने की प्रक्रिया थी। गुरु के महत्व और महानता को केवल शब्दों से व्यक्त नहीं किया जा सकता। गुरु मात्र एक शिक्षक ही नहीं होते बल्कि उनकी उपस्थिति ही एक ऐसी जीवंत शक्ति, एक ऐसी अनुभूति होती है जो शक्ति, मार्गदर्शन और प्रेरणा का एक निरंतर स्रोत होती है। जिस प्रकार पूर्णिमा संपूर्णता, शुद्धता और प्रकाश का प्रतीक है ठीक उसी प्रकार गुरु में भी वैसी ही महानता होती है और गुरु भी ज्ञान से संपूर्ण, निष्कपट और मन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के स्रोत होते हैं।

प्रसिद्ध संत कबीर ने गुरु की तुलना कुम्हार से और शिष्य की तुलना मिट्टी के कच्चे बर्तन से करते हुए कहा है कि,

गुरु कुम्हार है, शिष्य कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट। अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट॥

इसका अर्थ है: गुरु कुम्हार है और शिष्य मिट्टी का घड़ा है। जिस प्रकार कुम्हार घड़े को भीतर से हाथ का सहारा देकर और बाहर से चोट मारकर गढ़ता है, उसी प्रकार गुरु भी शिष्य को भीतर से प्रेम, करुणा और ज्ञान का सहारा देकर और बाहर से डांट-फटकार लगाकर उसकी बुराइयों को दूर करता है और उसे अनुशासित व परिष्कृत करता है।

गुरु एक छिपे हुए और कभी भी खत्म न होने वाले ज्ञान का भंडार है - उनके आशीर्वाद मौन होते हुए भी जीवन में आमूल बदलाव लाने वाले होते हैं और शिष्य के मन में सच्चाई और अच्छाई से जुड़े मूल्यों से युक्त ज्ञान व बुद्धिमत्ता भरते हैं। रामायण काल में विश्वामित्र और भगवान राम के बीच तथा भक्तिकाल में गुरु रविदास और मीरा बाई, रामानंद और कबीर, गुरु नानक देव जी और उनके बाद हुए गुरुओं के बीच का संबंध- सभी भारतीय सभ्यता में आध्यात्मिक और बौद्धिक आदान-प्रदान की अमिट विरासत के उदाहरण हैं। इन पवित्र बंधनों ने समाज को एक नैतिक ढांचा प्रदान किया और इसके आंतरिक विकास को बढ़ावा दिया। आधुनिक युग में, देश के लोगों के मन में राष्ट्रवाद की अलख जगाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज तथा समाज को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने में समर्थ गुरु रामदास, स्वामी विरजानंद सरस्वती और स्वामी दयानंद सरस्वती का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। इसी गुरु परंपरा में स्वामी रामकृष्ण परमहंस भी हुए हैं जिनकी शिक्षा ने स्वामी विवेकानंद को एक आध्यात्मिक महापुरुष बनाया, जिन्होंने बाद में भारतीय दर्शन को पाश्चात्य देशों तक पहुँचाया। इसी प्रकार, महावतार बाबाजी, लाहिड़ी महाशय, श्री युक्तेश्वर और परमहंस योगानंद जैसे महापुरुषों द्वारा दिए गए ज्ञान की ज्योति दुनिया भर के साधकों का मार्गदर्शन करती रहेगी और उन्हें अपने मार्ग पर निरंतर आगे बढ ? के लिए प्रेरित करेगी। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान ने विश्व-बंधुत्व की भावना को बढ़ाया है और लोगों को ज्ञान की दिव्य दृष्टि प्रदान की है। विश्व के सभी देशों में देवत्व के प्रति निष्ठा, समर्पण और व्यक्तिगत संबंध को अभिव्यक्त करने की परंपरा देखी जाती है। पश्चिमी देशों में ईश्वर की प्रार्थना के दौरान 'ओ माई मास्टरइ शब्द का प्रयोग किया जाता है जो ईश्वर के साथ गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का सूचक है।

प्रथम गुरु के रूप में मां शिशु को इस नए विश्व से परिचित कराती है और जीवन में पहला कदम उठाना सिखाती है। अगर दूसरे नजरिये से देखा जाए तो हमारी पांचों ज्ञानेन्द्रियां- कान, त्वचा, नेत्र, जिह्वा और नाक - बाहरी दुनिया से संवेदी सूचनाएं प्राप्त करती हैं, पांचों कर्मेन्द्रियां- हाथ, पांव, वाणी, गुदा, जननांग- शारीरिक क्रियाएं करती हैं तथा अंतःकरण की चारों वृत्तियां - मन, बुद्धि, अहंकार और चित्त हमारे विचारों, भावनाओं और क्रियाओं को प्रभावित करती हैं।

यदि संक्षेप में कहा जाए तो, हमारी ज्ञानेंद्रियां प्रत्यक्ष जगत से प्राप्त जानकारियों को एकत्र करती हैं, मन उन्हें समझता है, बुद्धि निर्णय लेती है, अहंकार अनुभव को वैयक्तिक बनाता है, कर्मेंद्रियाँ क्रिया संपन्न करती हैं और चित्त उसे स्मृति के रूप में दर्ज करता है। गुरु ज्ञान के जिज्ञासुओं को ज्ञान प्रदान करता है जबकि सद्गुरु अपने शिष्यों में बुद्धिमत्ता का संचार करता है।

राष्ट्र को बचाना हो तो राष्ट्र भाषा से बचना पड़ेगा

विनीत नारायण

मलाही भाषा येत नाही। भाषा संवाद के लिए होती है, झगड़े उपद्रव के लिए नहीं।झगड़े उपद्रव के लिए लबाजी, गोलीबारी होती है। गले लगा लो तो बिना भाषा के भी संवाद हो जाता है। राष्ट्र में महाराष्ट्र का होना गौरव और गरिमा की बात है। महाराष्ट्र की उत्कृष्ट सभ्यता संस्कृति है। इसे क्षुद्र स्तर पर न ले आने के लिए हम सजग सावधान रहें तो इसकी सभ्यता-संस्कृति पूरे विश्व में जगमगाती रहेगी। मराठी-गुजराती-हिन्दी-अंग्रेजी की यहां सब नदियां एक ही महासागर से जुडी हैं।

इसलिए यहां संकीर्णता नहीं, उदारता ही प्रवाहमान होती है। सभ्यता-संस्कृति का दीप-स्तंभ बनती है। यह कहना है स्वामी चैतन्य कीर्ति का। इस विषय में ओशो क्या कहते हैं : 'एक मित्र ने पूछा है कि क्या भारत में कोई राष्ट्र भाषा होनी चाहिए? यदि हां, तो कौन सी? राष्ट्र भाषा का सवाल ही भारत में बुनियादी रूप से गलत है। भारत में इतनी भाषाएं हैं कि राष्ट्र भाषा सिर्फ लादी जा सकती है, और जिन भाषाओं पर लादी जाएगी उनके साथ अन्याय होगा। भारत में राष्ट्र भाषा की कोई भी जरूरत नहीं है। भारत में बहुत-सी राष्ट्रभाषाएं ही होंगी और आज कोई कठिनाई भी नहीं है कि राष्ट्र भाषा जरूरी हो। रूस बिना राष्ट्र भाषा के काम चलाता है, तो हम क्यों नहीं चला सकते? आज तो यांत्रिक व्यवस्था हो सकती है संसद में, बहुत थोड़े खर्च से, जिसके द्वारा एक भाषा सभी भाषाओं में अनुवादित हो जाए, लेकिन राष्ट्र भाषा का मोह बहुत महंगा पड़ रहा है।

भारत की प्रत्येक भाषा राष्ट्र भाषा होने में समर्थ है। इसलिए कोई भी भाषा अपना अधिकार छोड़ने को राजी नहीं होगी, होना भी नहीं चाहिए। लेकिन यदि हमने जबरदस्ती किसी भाषा को राष्ट्र भाषा बना कर थोपने की कोशिश की तो देश खंड-खंड हो जाएगा। आज देश के बीच विभाजन के जो बुनियादी कारण हैं, उनमें भाषा एक है। राष्ट्र भाषा बनाने का खयाल ही राष्ट्र को खंड-खंड में तोड़ने का कारण बनेगा। अगर राष्ट्र को बचाना हो तो राष्ट्र भाषा से बचना पड़ेगा और अगर राष्ट्र को मिटाना हो तो राष्ट्र भाषा की बात आगे भी जारी रखी जा सकती है। मेरी दृष्टि में भारत में जितनी भाषाएं बोली जाती हैं, सब राष्ट्र भाषाएं हैं, उनको समान आदर उपलब्ध होना चाहिए। किसी एक भाषा का साम्राज्य दूसरी भाषा पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, वह भाषा चाहे हिन्दी हो और चाहे कोई और हो। कोई कारण नहीं है कि तमिल, तेलुगू, बंगाली या गुजराती को हिन्दी दबाए। लेकिन गांधी जी के कारण जो कुछ बीमारियां इस देश में छूटीं, उनमें एक बीमारी हिन्दी को राष्ट्र भाषा का वहम देने की भी है। हिन्दी को यह अहंकार गांधी जी दे गए कि वह राष्ट्र भाषा है तो हिन्दी प्रांत उस अहंकार से परेशान हैं, और वे अपनी भाषा को पूरे देश पर थोपने की कोशिश में लगे हुए हैं। हिन्दी का साम्राज्य भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है, तो किसी भाषा का नहीं किया जा सकता। सिर्फ संसद में हमें यांत्रिक व्यवस्था करनी चाहिए कि सारी भाषाएं अनुवादित हो सकें। और वैसे भी संसद कोई काम तो कोई करती नहीं है कि कोई अड़चन हो जाएगी। सालों तक एक-एक बात पर चर्चा चलती है, थोड़ी देर और चल लेगी तो कोई फर्क नहीं होने वाला है। संसद कुछ करती हो तो भी विचार होता कि कहीं कार्य में बाधा न पड़ जाए। कार्य में कोई बाधा पड ? वाली नहीं मालूम होती। फिर मेरी दृष्टि यह भी है कि यदि हम राष्ट्र भाषा को थोपने का उपाय न करें तो शायद बीस- पच्चीस वर्षो में कोई एक भाषा विकसित हो और धीरे-धीरे राष्ट्र के प्राणों को घेर ले। वह भाषा हिन्दी नहीं होगी, वह भाषा हिन्दुस्तानी होगी। उसमें तमिल के शब्द भी होंगे, तेलुगू के भी, अंग्रेजी के भी, गुजराती के भी, मराठी के भी। वह एक मिश्रित नई भाषा होगी जो धीरे-धीरे भारत के जीवन में से विकसित हो जाएगी। लेकिन, अगर कोई शुद्धतावादी चाहता हो कि शुद्ध हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाना है, तो यह सब पागलपन की बात है। इससे कुछ हित नहीं हो सकता।इ यह तो थी ओशो की सोच। महाराष्ट्र, एक ऐसा राज्य है जो अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और मराठी भाषा के लिए जाना जाता है, आज भाषा विवाद के कारण चर्चा में है। मराठी, जो इस राज्य की आत्मा है, न केवल एक भाषा है, बल्कि महाराष्ट्र की पहचान, इतिहास और गौरव का प्रतीक भी है। हाल के वर्षों में मराठी भाषा के उपयोग और सम्मान को लेकर कई विवाद सामने आए हैं, जो सामाजिक-राजनीतिक स्तर पर तनाव का कारण बन रहे हैं। महाराष्ट्र में मराठी को प्राथमिकता देने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। विशेष रूप से मुंबई जैसे महानगरों में, जहां विविधता अपनी चरम सीमा पर है, मराठी भाषा को कई बार उपेक्षित महसूस किया जाता है।

गैर-मराठी भाषी समुदायों की उपस्थिति और वैश्वीकरण के प्रभाव ने मराठी के उपयोग को कुछ हद तक सीमित किया है। यह स्थिति स्थानीय लोगों में असंतोष को जन्म देती है, जो अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

मराठी मानुष को लेकर फिर से मैदान सजाना चाहते हैं ठाकरे परिवार

अभी कुछ दिनों पहले ही खबर आई थी कि उद्धव और राज ठाकरे ने आपस में समझौता कर राजनीति की एक राह पकड़ली है।एक सप्ताह में ही राज ठाकरे की पार्टी ने वही बात आंदोलित कर दी कि मुंबई मराठी भाषा बोलने वालों की है और हम महाराष्ट्र में तीसरी या दूसरी भाषा हिंदी को नहीं चलने देंगे।यह कहना ही था कि भारतीय जनता पार्टी के मुखर सांसद निशिकांत दुबे ने कह दिया कि हम बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में मराठी भाषा बोलने वालों को पटक पटक कर मारेगे।बस मुंबई में आज मीरा रोड पर एम एन एस के कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया बदले में मुंबई पुलिस ने लाठी चार्ज कर भीड़ को खदेड़ दिया। 1966 में तत्कालीन एक कार्टूनिस्ट बाल ठाकरे ने मुंबई में शिवसेना नामक एक राजनीतिक दल की स्थापना की थी और उनका उद्देश्य भी यही था कि भाषा के आधार पर मुंबई में राजनीत की जाय तब स्व बाल ठाकरे मुंबई महा पालिका में सक्रिय थे। लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा में उसका कोई विशेष बर्चस्व नहीं था। महाराष्ट्र में कांग्रेस के सामने कुछ हलकों में पहले जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी का बजूद था।1989 में शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी का राजनीतिक गठबंधन बना और बीएमसी में एक साथ चुनाव लड़े । उसके बाद 1995 में यह गठबन्धन सत्ता में आया। शिव सेना बड़े भाई की भूमिका में थी क्योंकि उसके

अधिक विधायक लड़े भी और जीत कर भी आए । मनोहर जोशी राजग के पहले मुख्यमंत्री बने। लेकिन 2014 के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 121 सीट जीती और देवेंद्र फडणवीस भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री बने लेकिन 2019 के विधानसभा चुनावों में 107 भारतीय जनता पार्टी ने जीती और 63 पर शिवसेना। शिव सेना ने मुख्यमंत्री पद मांगा तो भारतीय जनता पार्टी ने इनकार कर दिया। उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस, हृष्टक्क, से मिलकर सरकार बना ली।यही से भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के रास्ते अलग हो गए।2022 में 10 अक्तूबर को शिव सेना में एक नाथ शिंदे के नेतृत्व में विद्रोह हो गया और लगभग सभी विधायक शिंदे के साथ चले गए और शिंदे भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से मुख्यमंत्री बने। शिंदे ने अपनी अलग शिव सेना बनाली।2024 के चुनाव में अजीत पवार एनसीपी,शिंदे शिव सेना और भारतीय जनता पार्टी ने 288 में से दो तिहाई 238 जीत दर्ज कर सरकार बनाई और देवेंद्र फडणवीस पुनः मुख्यमंत्री बने। उद्धव ठाकरे को इन विधानसभा चुनावों में मात्र 23 सीट मिली ।इस प्रकार ठाकरे परिवार का मुंबई और महाराष्ट्र से बाजूद समाप्त हो गया।अब निकट भविष्य में 76000 करोड़ सलीना बजट बाली बीएमसी के चुनाव होने हैं और ठाकरे परिवार पुनः प्रति स्थापित होना चाहता है तो उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे को मनाया है और वहीं मुद्दा मराठी मानुष का बोलबाला उठाया है। केंदीय सरकार की शिक्षा नीति में हिंदी,एक स्थानीय भाषा और अंग्रेजी भाषा पढ़ाने की बात है

0 0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1369

1	2		3	■	4		5
6		■	7			■	
8		9		■		■	
■	■	10		11		12	
13	14	■	15		■		■
16		■	17		18	■	19
	■	20	■	21		22	
23				■	24		■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 15 अगस्त को भारत के अतिरिक्त कांगों, नार्थ कोरिया, साऊथ कोरिया व इस देश में भी स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है (4)
4. इस वृक्ष को छोटे-छोटे फलों से मदिरा निर्माण भी होता है (3)
6. मित्र, दोस्त, सखा, उपपति (2)
7. अरब का एक प्रसिद्ध शहर, ग्रांथिक रूप से इस अरबी शब्द का अर्थ शहर या नगर है (3)
8. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (4)
10. नष्ट्र ध्वंस, बर्बाद (6)
13. चैन, राहत, आराम (2)
15. वह विस्फोटक पदार्थ जो ज्वालामुखी पर्वत से निकलता है (2)
16. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
17. कामिनी (3)
21. सबसे दोस्ती करने वाला (4)
23. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए तय कर लिया हो (4)
24. हाथ, हस्त, महसूल, टैक्स (2)

ऊपर से नीचे

1. ठंडी हवा, पवन (3)
2. अक्षर, वर्ण (3)
3. स्वामीभक्त, उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. मनुहार, मनाने का काम (4)
5. अगल-बगल (4)
9. प्रतिमा, देवमूर्ति, कठोर हृदय, आकार (2)
11. प्रश्नात्क, प्रश्नपूर्ण, प्रश्नवाचक (4)
12. व्यक्तित्व, अस्तित्व, सामर्थ्य, शक्ति (2)
13. सुंदर नेत्रों वाली, पुराणानुसार महाराज जनक की पत्नी का यह नाम था (4)
14. दुष्ट, दुर्जन, अधम, नीच (2)
18. सद्गति प्राप्त करने वाला (3)
19. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
20. जो दिन इस समय बीत रहा है, इस दिनों में (2)
22. दफा, मर्तबा, आधुनिक मद्यशाला (2)

वर्ग पहेली 1368 का हल

पा	कि	स्ता	न	■	अ	मे	ठी
र्थ	■	व	र	क	न्या	■	क
■	र	क	मी	■	य	दि	■
र	क्षा	■	■	जू	■	ल	क्ष्य
ह	क	■	आ	न	बा	न	■
न	व	नी	त	■	न	वा	ब
■	च	■	ति	थि	■	जी	न
■	■	जौ	■	र	क्त	■	ना

एकदा

जनता को करारा झटका

दुबढ़ते अपराध और समाज की भूमिका

विवेक रंजन श्रीवास्तव

अपराधी प्रवृति और समाज के बीच गहरा संबंध है। समाज की संरचना, मूल्यों में हो रही गिरावट, आर्थिक असमानता, शिक्षा की कमी और सामाजिक न्याय की अनदेखी जैसे कारण अपराध को बढ़ावा देते हैं।

सामाजिक असमानता और आर्थिक कारण..

- गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक हताशा लोगों को गैरकानूनी रास्तों पर धकेलती है।

- धन और अवसरों का असमान वितरण अपराध को जन्म देता है, जैसे चोरी, डकैती या धोखाधड़ी।

शिक्षा और संस्कार की कमी

- शिक्षा का अभाव लोगों को सही-गलत का फर्क समझने से रोकता है।

- परिवार और समुदाय द्वारा नैतिक मूल्यों की अनदेखी युवाओं को अपराध की ओर मोड़ती है।

कानून व्यवस्था में कमजोरियाँ

- पुलिस और न्याय प्रणाली की अक्षमता अपराधियों को प्रोत्साहित करती है।

- कानून का डर न होने से अपराधी बेखौफ होकर गलत कार्य करते हैं।

मीडिया और संस्कृति का प्रभाव

- फिल्मों, सोशल मीडिया और समाचारों में हिंसा या अपराध का ग्लैमराइजेशन युवाओं को गलत राह दिखाता है।

- सामाजिक मानदंडों का क्षरण भी हिंसा और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

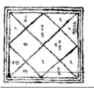

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे और पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी।

वृष राशिः आज आपका बढ़ा हुआ मनोबल किसी जरूरी काम में आपको सफलता दिलाएगा और आपका दिन बेहतर रहेगा। माता-पिता के सहयोग से कारोबार के क्षेत्र में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति स्ट्रांग रहेगी। आज आपको कुछ मनोरंजक कार्य करने का मौका मिल सकता है।

मिथुन राशिः आज कामकाज के मामले में परिस्थिति बेहतर रहेगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे और आपका दिन उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं, इससे आपके रिश्तों की मजबूती बरकरार रहेगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद हो सकती है। वित्तीय मामलों में समझदारी से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें।

कन्या राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आपको कारोबार में धन लाभ होगा। आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है,

तुला राशिः आज आपके जीवन में कुछ नए बदलाव हो सकते हैं। कारोबार में आपको शुभ समाचार मिल सकता है। आज आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बना सकते हैं, रिश्ते बेहतर बने रहेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। संतान की ओर से आज आपको खुशखबरी मिल सकती है। घर के किसी काम को लेकर आप कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए दिन शुभ होने वाला है। किसी काम को पूरा करने के लिए आज आप कड़ी मेहनत करेंगे। आज आप घर की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटा सकते हैं और काम - काज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल भी रहेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा भी आपको बढ़िया मिलेगा। नए काम के लिए किसी से सलाह भी ले सकते हैं। नए इनकम सोर्स भी मिल सकते हैं। आज आपकी कामकाज के प्रति रुचि और बढ़ सकती है।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम होने वाला है। आज आपके धार्मिक गतिविधि में भी शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज अपनों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा हो सकता है। आज आप जरूरी काम और संबंधों के बारे में विचार करेंगे और नयी योजना बनाएंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही रुकावटों का रास्ता आज आप ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आप किसी सामाजिक काम में हाथ बंटा सकते हैं।

बारिश का सीजन में फ्रिज में रखते ही जहर बन जाएंगी ये सब्जियां

बरसात के मौसम में हेल्दी रहने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना होता है। छिले हुए लहसुन को फ्रीज करने से यह गल जाता है। शहद को रेफ्रिजरेट करने से यह बेस्वाद हो जाता है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक चावल को फ्रिज में रखने के बाद खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। आइए जानते है ऐसी कौन-कौन सी सब्जियां हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

आमतौर पर हम खाने-पीने की हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर एक चीज फ्रिज में रखने लायक नहीं होती है। कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें अगर हम फ्रिज में रखते हैं तो उनके रंग, सुगंध और स्वाद में कमी आ जाती है। आयुर्वेदिक डाइट एक्सपर्ट डॉ. डिंपल जांगड़ा यहां बता रही हैं कि वो कौन सी सब्जियां हैं जो फ्रिज में रखने पर जहरीली हो सकती हैं।

अदरक

अदरक को फ्रिज में रखने से भी उसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और यह किडनी और लिवर फेल होने का कारण बन सकता है। इसलिए अदरक को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। अदरक एक बहुत ही पौष्टिक औषधि है। ऐसा कहा जाता है कि अदरक खाने से अपच, कब्ज और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है।

लहसुन

लहसुन को छीलकर फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और फफूंदी लगे लहसुन के सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। फ्रिज में रखने से लहसुन के तेल भी खत्म हो जाते हैं, जिससे इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसलिए लहसुन को हमेशा बिना छिले ही खरीदें और इस्तेमाल से पहले ही छीलें। इसे फ्रिज में रखने के बजाय बाहर ही रखें।

प्याज

अक्सर लोग आधा प्याज काटकर बाकी आधा फ्रिज में रख देते हैं, ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आसपास के वातावरण के सभी हानिकारक बैक्टीरिया प्याज में चले जाते हैं और उसमें फफूंदी लग जाती है। जब घर में कोई बीमार होता है तो हम अक्सर एक प्याज काटकर कमरे के कोने में रख देते हैं ताकि वातावरण में मौजूद सभी हानिकारक बैक्टीरिया उसमे समा जाए।

आलू-शिमला

आलू को फ्रिज में रखने से उसका टेक्सचर और स्वाद खराब हो जाता है। इसे पेपर बैग में लपेटकर कमरे के तापमान पर स्टोर करना बेहतर होता है। फ्रिज में रखने से शिमला मिर्च भी मुलायम हो जाती है और इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसे भी कमरे के तापमान पर ही स्टोर करना चाहिए।

लिवर की बीमारी होने से पहले आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

अगर आपकी स्किन पर इसमें से कोई संकेत दिख रहे हैं तो ये जरूरी है कि आप पहले अपने डॉक्टर से संपर्क करें। लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर ये लक्षण दिखते हैं।

हमारी स्किन कई बार हमें आने वाले खतरे का इशारा कर देती है। कुछ बीमारियां खासतौर पर स्किन के जरिए दिखती है। उदाहरण के तौर पर जब पीलिया या जॉइन्डिस होता है तो स्किन पीली होने लगती है। इसका सीधा सा संकेत है कि लिवर में पित्त बहुत ज्यादा बन गया है और स्किन पर इसका असर दिखने लगता है। पीलिया होते ही हम डॉक्टर के पास जाकर ट्रीटमेंट शुरू करवाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर और भी संकेत मिलते हैं। लिवर की अलग-अलग कंडीशन होने पर स्किन हमें संकेत देती है कि अब टेस्ट करवाने की जरूरत है। डायटीशियन और होलिस्टिक न्यूट्रिशनिस्ट और डाइट पोडियम की फाउंडर शिखा महाजन से हमने बात की और इस बारे में और जानने की कोशिश की। उन्होंने विस्तार से हमें स्किन पर होने वाले रिएक्शन्स के बारे में बताया।

लिवर की बीमारी में स्किन में शुरू हो जाती है खुजली

आपका लिवर डैमेज हो रहा है इसका एक लक्षण खून में पित्त का बनना भी हो सकता है। ऐसा होने पर स्किन में खुजली शुरू हो जाती है। जब पित्त का डक्ट ब्लॉक होता है तो पित्त धीरे-धीरे खून में मिलने लगता है और स्किन के निचले हिस्से पर इकट्ठा हो जाता है। यही कारण है कि स्किन में खुजली होने लगती है और आपको थोड़ी असहजता होती है।

शरीर पर पड़ते हैं नीले चकत्ते या होती है ब्लीडिंग

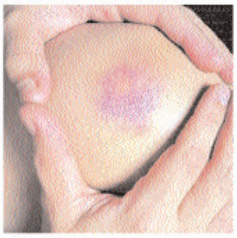

लिवर के डैमेज होने के कुछ सबसे पहले लक्षणों में से एक है शरीर में जगह-जगह नील पड़ जाना और बहुत आसानी से खून निकल आना। ये लक्षण कहते हैं कि आपका लिवर स्वस्थ नहीं है और ब्लड क्लॉटिंग रोकने के लिए जिन प्रोटीन्स की जरूरत होती है वो लिवर में सही मात्रा में नहीं बन रहे हैं।

स्पाइडर एंजियोमास का बनना

स्किन पर दिखने वाले कई लक्षणों में से एक है स्पाइडर एंजियोमास का दिखना। ये छोटी-छोटी कोशिकाएं होती हैं जो मकड़ी के जालों की तरह दिखती हैं। ये भी स्किन के निचले हिस्से में होती हैं और जब शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ता है तो ये दिखने लगती हैं। अगर ये दिखती हैं इसका मतलब लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है और आपके हार्मोन्स मेटाबोलाइज्ड नहीं हो रहे हैं।

मुंह से बहुत बदबू आना

मुंह से बहुत बदबू आना भी इस बात का लक्षण है कि आपका लिवर सही तरह से काम नहीं कर रहा है। dimethyl sulfide का हाई लेवल इस बात की ओर इशारा करता है कि आपको लिवर सिरोसिस हो रहा है और इससे फ्रूटी, सड़ी हुई बदबू आपके मुंह से आती है। लिवर डैमेज के द्वारा मुंह की दुर्गंध को Fetor hepaticus कहा जाता है।

चेहरे पर हाइपरपिगमेंटेशन

अगर आपके चेहरे पर एकदम से झाइयां और हाइपरपिगमेंटेशन होने लगा है तो ये भी लिवर डैमेज का एक लक्षण हो सकता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो शरीर में एस्ट्रोजेन का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में tyrosinase नामक एक एन्जाइम शरीर में बढ़ता है जिसमें कॉपर होता है। ये मेलानिन का प्रोडक्शन बढ़ाता है और इससे पिगमेंटेशन की समस्या होती है।

हथेलियों पर होती है खुजली, जलन और लालिमा

लिवर डैमेज का एक और लक्षण ये होता है कि आपकी हथेलियों में लालिमा, जलन, खुजली बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ये शरीर में असमान्य हार्मोन लेवल्स के कारण होता है।

अगर आपको कोई भी अलग लक्षण अपनी स्किन पर दिख रहा है तो एक बार अपने डॉक्टर से चेक करवा लेना जरूरी है। हो सकता है ये लिवर के कारण नहीं बल्कि किसी और कारण से हो रहा हो, लेकिन स्किन पर अक्सर इसके लक्षण दिखने लगते हैं। रेगुलर चेकअप किसी गंभीर समस्या से बचा सकता है और आपको ऐसा कुछ भी होने पर हमेशा मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए जो आपको विस्तार से इसके बारे में बताएगा।

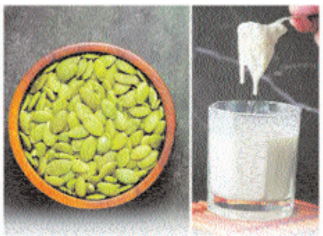

बरसात में शरीर को ले डूबेगी जिंक की कमी, आता-जाता इंफेक्शन कर देगा बुरा हाल

इस मानसून कद्दू के बीज, ओट्स, फलियां, डेयरी उत्पाद और डार्क चॉकलेट जरूर खाएं। ये फूड जिंक से भरपूर है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं। जिंक इम्यून सेल्स को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

जिंक एक जरूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए ज़रूरी है। यह इंफेक्शन से लड़ने में अहम रोल निभाता है क्योंकि यह इम्यून सेल्स के विकास और काम में मदद करता है। इस मानसून के मौसम में अपनी डाइट में ज़िंक से भरपूर फूड्स को शामिल करके अपनी इम्यूनिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। क्योंकि इस समय कीटाणु और वायरस तेज़ी से बढ़ते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें

ये 5 फूड्स जिंक से भरपूर होते हैं जो प्रतिदिन जिंक की रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं। पुरुषों को रोजाना 11

कद्दू के बीज

30 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 2.2 मि.ग्रा. जिंक होता है। इन्हें सलाद पर छिड़कें, अपनी सुबह के ओट्स में शामिल करें या नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। ये बीज प्रोस्टेट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं और यहां तक कि आपने उच्च जिंक कंटेंट और अन्य लाभकारी पोषक तत्वों के कारण डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद कर सकते हैं।

फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसी फलियां जिंक से भरपूर होती हैं। 100 ग्राम पकी हुई दाल में पुरुषों के लिए रोजाना का 12% और महिलाओं के लिए 16% जिंक होता है। फलियां फाइबर, प्रोटीन और विभिन्न विटामिन और खनिजों से भी भरपूर होती हैं, जो उन्हें बैलेंस्ड डाइट बनाता है। फलियों के नियमित सेवन से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है और क्रॉनिक डिजीज का खतरा कम होता है।

ओट्स

ओट्स जिंक का एक और बेहतरीन सोर्स हैं, जो पानी में पकाए जाने पर एक कप में लगभग 2.3 मि.ग्रा. प्रदान करते हैं। ये न केवल जिंक से भरपूर होते हैं बल्कि फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है।

डेयरी प्रॉडक्ट

शोध के मुताबिक पनीर और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स बायोअवेलेबल ज़िंक के जाने-माने स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा शरीर इन वस्तुओं में मौजूद अधिकांश जिंक को अवशोषित कर सकता है। एक कप फुल क्रीम दूध में पुरुषों के लिए दैनिक आवश्यकता का 9% और महिलाओं के लिए 13% जिंक होता है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम और विटामिन डी भी प्रदान करते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डार्क चॉकलेट

मीठा पसंद करने वालों के लिए, डार्क चॉकलेट ज़िंक की मात्रा को बढ़ावा देने का एक स्वादिष्ट तरीका है। 70%-85% डार्क चॉकलेट के 100 ग्राम बार में 3.31 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। डार्क चॉकलेट ज़िंक और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है मगर यह कैलोरी और शुगर में भी अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

बच्चों की इम्युनिटी होती है कमजोर, बारिश के मौसम में वायरल होने की बढ़ जाती है आशंका

बरसात के दिनों अक्सर मच्छरों से होने वाली बीमारियां भी काफी बढ़ जाती हैं। सिर्फ गर्मी ही नहीं, बरसात में भी शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में इससे बचने के लिए हाइड्रेड रहना बेहद जरूरी है। अपने बच्चों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें हेल्दी डाइट दें।

वर्षा के चलते कई जगहों पर जलभराव और गंदगी होने से मच्छर और खतरनाक बैक्टीरिया जन्म ले लेते हैं। पानी और हवा के जरिए ये बैक्टीरिया खाने और शरीर तक पहुंचते हैं। हम बुखार व फ्लू जैसी बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं, लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। चूंकि बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, तो इस वायरल की चपेट में वह जल्दी आ जाते हैं। मौसम बदलने के साथ ही वायरल बुखार की शुरुआत हो चुकी है।

बासा खाना बिल्कुल भी न दें

काफी संख्या में बच्चे ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इस वायरल से बचने का तरीका यही है कि बच्चे खाने से पहले हाथ धो लें। पेरेंट्स बच्चों को डाइट अच्छी दें। ताजा खाना और ताजे फल ही खिलाएं। बाहर का खाना खाने से बचें और बासा खाना बिल्कुल भी न दें। फिर भी यदि आपका बच्चा वायरल की चपेट में आ जाता है तो अच्छे डॉक्टर को दिखाएं और प्रॉपर दवा लें। यदि आपके घर में दूसरा बच्चा भी है, तो उसके साथ प्रिकोशन रखें, वरना वह भी वायरल की चपेट में आ सकता है।

आसपास पानी का भराव न होने दें

वायरल के दौरान पौष्टिक चीजें ही बच्चे को दें। ठंडा और खट्टा देने से बचें। बच्चे का टॉवेल और हैंकी अलग कर दें। आने वाले समय में मच्छर से होने वाले मलेरिया, डेंगू के केस भी बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है कि अपने आसपास पानी का भराव न होने दें। जहां तक हो सके बच्चों को फुल बांह के कपड़े पहनाएं।

डिमेंशिया के जोखिम को कम करती हैं सरल दैनिक आदतें

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आप स्मार्टफोन और गूगल को समय देने के बजाय सरल दैनिक आदतों की ओर ध्यान दें तो यह आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के जोखिम को भी कम कर सकता है। वाटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपनी नई पुस्तक आईमाइंड- आर्टिफिशियल एंड रियल इंटेलिजेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तुलना में सरल दैनिक आदतों पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा है कि लोगों का फोकस सेल्फ लर्निंग से हटकर गूगल पर निर्भर हो गया है, जिसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते है। उन्होंने अपनी किताब आईमाइंड में कहा है कि कोई भी चीज मानव मस्तिष्क-मन की क्षमता, भंडारण, दीर्घायु, ऊर्जा दक्षता या आत्म उपचार क्षमताओं की नकल नहीं कर सकती। वर्तमान स्मार्टफोन की उपयोगी जीवन प्रत्याशा लगभग 10 वर्ष है। जबकि एक स्वस्थ मानव शरीर के अंदर एक स्वस्थ मस्तिष्क-मन 100 वर्ष या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकता है। स्मार्ट डिवाइस तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं, लेकिन वह मानव मस्तिष्क की भंडारण क्षमता या स्व-उपचार क्षमताओं की नकल कभी नहीं कर सकते। इस किताब में मनोभ्रंश के कारण होने वाले व्यक्तिगत नुकसान के बारे में बात की गई है। उन्होंने मस्तिष्क की दीर्घकालिक क्षमता की तुलना स्मार्टफोन के सीमित जीवनकाल से करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ मस्तिष्क का पोषण किया जाए तो वह 100 वर्षों से अधिक समय तक चल सकता है। दैनिक मस्तिष्क व्यायाम जैसे मेमोरी वर्कआउट, एसोसिएटिव मेमोरी विकसित करना, शराब को नियंत्रित करना, आराम करना और नियमित झपकी लेना जैसे दैनिक व्यायाम मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं।

मंत्री राजवाड़े के प्रयास से सूरजपुर को मिली सड़क विकास की सौगात

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले में भटगांव से अनरोखा पकनी तक 7.80 किमी लंबी सड़क के चौड़ीकरण व निर्माण को राज्य शासन ने 10.95 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। यह मंजूरी वित्त विभाग की सहमति के बाद जारी हुई है। यह सड़क परियोजना आवागमन को सुगम बनाने के साथ व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों को भी गति देगी। क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग को मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने गंभीरता से लेकर सरकार के समक्ष लगातार रखा, जिसके फलस्वरूप स्वीकृति प्राप्त हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दे रही है। यह सड़क बरसात में होने वाली दिक्कतों को खत्म कर एंबुलेंस, स्कूल वाहन व आपातकालीन सेवाओं की सुविधा बढ़ाएगी। परियोजना की गुणवत्ता और समयसीमा की निगरानी संबंधित विभाग द्वारा की जाएगी। यह कार्य न सिर्फ बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि क्षेत्रीय विकास का नया अध्याय भी जोड़ेगा।

न्यूज गैलरी

मध्यस्थता राष्ट्र अभियान को सफल बनाने के लिए प्रधान न्यायाधीश ने अधिवक्ता संघ ली बैठक

कोरिया बैकुंठपुर - राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यस्थता एवं सुलाह परामर्श समिति (एम०सी०पी०सी०) नई दिल्ली के मार्गदर्शन में तथा छ०ग० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निदेर्शानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश /जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शैलेश कुमार तिवारी ने च्मध्यस्थता राष्ट्र के लिए अभियान के अंतर्गत न्यायालय में लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकरण हेतु अधिवक्ता संघ बैकुण्ठपुर के साथ बैठक ली।

एस०ओ०पी० के अनुसार मध्यस्थता के माध्यम से लंबित प्रकरणों के निराकरण किये जाने के लिए ९० दिवस का समय सीमा निर्धारित किया गया है। राष्ट्र के लिए ०१ जुलाई से ०७ अक्टूबर तक अभियान चलाया जाना है। प्रधान जिला न्यायाधीश शैलेश कुमार तिवारी ने बैठक में कहा कि मध्यस्थता एक वैकल्पिक विवाद समाधान की प्रकिया है, जो न्यायिक प्रक्रिया से अलग है, जिसमें एक तीसरे स्वतंत्र व्यक्ति मध्यस्थ दो पक्षों के बीच अपने सहयोग से उनके समान हितों के लिए एक समझौते पर सहमत होने के लिए उन्हे तैयार करता है। जिसमें पक्षकार अपनी सहमती से लंबित प्रकरणों को सौहाद्रपूर्ण निपटा सकते हैं। मध्यस्थता के माध्यम से दूर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, ऋण वसूली, बेदखली संपत्ती विभाजन, भूमि अधिकरण सहित अन्य सिविल मामले एवं राजिनामा योग्य आपराधिक मामलों का निपटारा संभव है। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश ने मध्यस्थता कार्यवाही में आने वाली समस्याओं के संबंध में अधिवक्तागण से चर्चा किया और अधिक से अधिक न्यायालय में लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकरण किये जाने का अपील किया। अधिवक्ता संघ के द्वारा उक्त अभियान को सफल बनाने हेतु पर्याप्त सहयोग दिये जाने का आश्वासन दिया। उक्त बैठक में विशेष न्यायाधीश बैकुण्ठपुर, आशीष पाठक, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर कुजूर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बी०पी० मोहन्ती, सचिव श्री मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, समस्त अधिवक्ता एवं लीगल डिफेंस सिस्टम के चीफ श्री अजय सिंह, डिप्टी एवं असिस्टेंट उपस्थित रहे।

एसईसीएल पांडवपारा में कोयला ट्रक की टक्कर से संदीप ग्वाले की मौत, आक्रोशित परिजनों ने किया चक्का जाम

कोरिया पांडवपारा। एसईसीएल पांडवपारा के मेन गेट के पास मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। झिलमिली से आ रहे कोयले से भरे ट्रक ने स्कूटी सवार संदीप ग्वाले को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनका एक पैर कट गया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाते टाइम ही मौत हो गई।

संदीप ग्वाले भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा उपाध्यक्ष बबीता ग्वाले के पति थे। इस दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल फैल गया। बुधवार सुबह परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। लोगों ने एसईसीएल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि दुर्घटना का मुख्य कारण मेन रोड के किनारे लगाए गए बैरीकेट हैं, जिनसे ट्रकों की आवाजाही असुरक्षित हो गई है।

विधायक ने दी सहायता राशि, नौकरी का आश्वासन

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय विधायक भैयालाल राजवाड़े मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने अपनी ओर से २ लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की। इसके अलावा एसईसीएल प्रबंधन की ओर से १ लाख, ट्रांसपोर्टिंग ठेकेदार द्वारा २ लाख और तहसीलदार की ओर से २५ हजार रुपये की तात्कालिक सहायता दी गई।

विधायक राजवाड़े ने यह भी आश्वासन और लिख के दिए परिजनों को की एसईसीएल पांडवपारा के टीएमसी, एवं जेम्स में परिवार के एक सदस्य की नौकरी लगवाएंगे और वही एक सदस्य को डीएवी स्कूल में नौकरी दिलाएंगे

प्रबंधन पर गंभीर आरोप, अधिकारियों की गैरहाजिरी से नाराजगी

लोगों का कहना है कि मंगलवार को केंद्र व्यापी हड़ताल के बावजूद जानबूझकर ट्रकों को भेजा गया, जो इस हादसे का कारण बना। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद भी एसईसीएल के प्रबंधक या कोई भी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे आक्रोश और गहरा गया।

लापरवाही की भेंट चढ़ी लाखों की कोरिया नीर योजना

कोरिया नीर का विस्तार करेंगे - जनपद अध्यक्ष

दम तोड़ रहे कोरिया नीर के संचालन के मुद्दे पर जनपद पंचायत भरतपुर के अध्यक्ष माया प्रताप सिंह ने आश्वासन देते हुए कहा कि कोरिया नीर आम जनता की बेहद सफल योजना है। इसे बंद नहीं होने देंगे, बल्कि इसका विस्तार हम जनपद निधि से करेंगे। जनपद अध्यक्ष ने आगे कहा कि जनकपुर क्षेत्र के आम जन को इससे शुद्ध गुणवत्ता का पेयजल मिलता रहे इसके लिए डेढ़ से दो लाख रुपए की राशि जनपद निधि से हम उपलब्ध करायेंगे। जल्द ही कोरिया नीर का कायकल्प व विस्तार के लिए प्राक्कलन तैयार करवाने का भरोसा भी दिया है।

जनकपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। आम जनता को बोतल बंद पानी जैसी शुद्धता नाम मात्र पैसे में उपलब्ध हो इस उद्देश्य से वनांचल क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा लाखों रुपए कि लागत से कोरिया नीर की स्थापना हुई, लेकिन मरम्मत व देखरेख के अभाव में कोरिया नीर जनकपुर मुख्यालय में दम तोड़ रही है।

ज्ञात हो कि करीब 15 वर्ष पूर्व तत्कालीन कलेक्टर एस. प्रकाश के द्वारा 1 रुपए में 5 लीटर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु लाखों रुपए की लागत से सयुंक्त कोरिया जिले के शहरी व के दूरस्थ क्षेत्रों सहित जनकपुर क्षेत्र में भी करीब आधा दर्जन कोरिया नीर वाटर फिल्टर प्लांट स्थापित किया गया था। स्थापना के समय से ही आम जनता कोरिया नीर के शुद्ध पेयजल लाभ उठा रही है।

मरम्मत के आभाव में कोरिया नीर की हालत जर्जर

जनकपुर मुख्यालय में लगातार डेढ़ दशक से संचालित कोरिया नीर विशेष मरम्मत के आभाव में बेहद बदहाल हो चुका है। जानकारी के अनुसार इस सयंत्र से प्राप्त आय से छुटपुट मरम्मत में खर्च हो जाता है। बिजली का बिल काफी बकाया है जिससे जनपद के अधिकारी कोरिया नीर को बंद करने का मन बना रहे हैं।

द न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल, बैकुंठपुर में श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

बैकुंठपुर, कोरिया। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर द न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल, नरसिंहपुर, बैकुंठपुर में दिनांक १० जुलाई को भव्य एवं भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में गुरु के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और भारतीय संस्कृति की महान परंपरा को सजीव रूप में अनुभव कराने हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई। माँ सरस्वती की वंदना के साथ वातावरण आध्यात्मिक और पवित्रता से परिपूर्ण हो गया। इसके पश्चात छात्रों ने ₹गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु...₹ जैसे श्लोकों के मधुर उच्चारण से पूरे सभागार को गुरु महिमा की भावना से भर दिया। छात्रों द्वारा गुरु के महत्व पर अत्यंत भावनात्मक एवं प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किए गए। प्राथमिक कक्षा से लेकर आठवीं वर्ग तक के विद्यार्थियों ने 'गुरु का जीवन में महत्व', 'गुरु ही भगवान हैं', 'भारतीय संस्कृति में गुरु की भूमिका' जैसे विषयों पर प्रभावशाली वक्तव्य दिए। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा रंग-बिरंगे और संदेशपूर्ण पोस्टर तैयार किए गए, जिनमें गुरु को जीवन का मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत व प्रकाशपुंज बताया गया। पोस्टर प्रदर्शनी ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों ने गुरु भक्ति से ओत-प्रोत गीतों की प्रस्तुति दी। *₹गुरु बिना ज्ञान कहाँ से लाऊँ₹, ₹तेरे चरणों में मेरा जीवन सवरे₹* जैसे गीतों ने सभी को भावुक कर दिया। गीतों के माध्यम से छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। कार्यक्रम का सबसे विशेष और भावुक क्षण तब आया जब छात्रों ने मंच पर आकर अपने गुरुओं एवं उपस्थित अभिभावकों को तिलक लगाया और चरण वंदना कर उनका आशीर्वाद लिया। यह दृश्य उपस्थित सभी जनों के लिए अत्यंत भावनात्मक और अनुकरणीय रहा। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती टी. गेलोट ने अपने उद्बोधन में गुरु पूर्णिमा का महत्व बताते हुए कहा कि गुरु हमारे जीवन का वह दीप हैं जो अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के इस भौतिक युग में यदि विद्यार्थियों को सही दिशा मिलनी है तो गुरु का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है।

लेवल क्रॉसिंग गेटों की संरक्षा की जांच हेतु 15 दिवसीय निरीक्षण अभियान

रायपुर/बिलासपुर/नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समपार फाटकों की सुरक्षा व्यवस्था को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और बोर्ड के सदस्यों तथा जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों के साथ रिव्यू किया। अपने पिता के निधन के एक दिन बाद ही व्यक्तिगत शोक और अंतिम संस्कार की व्यस्तताओं के बीच रेलमंत्री ने रेलवे की महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

समीक्षा में लेवल क्रॉसिंग गेट सुरक्षा के विषय पर गहन विचार-विमर्श किया गया। रेल मंत्री ने इस संबंध में 11 महत्वपूर्ण निर्णय लिए। सभी लेवल क्रॉसिंग गेट (एलसी) गेटों पर सीसीटीवी कैमरे तथा रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाए जाएं। बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सौर पैनल, बैटरी बैकअप, यूपीएस आदि के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। यह कार्य मिशन मोड में पूरा किया जाए। ₹सड़क यातायात के लिए बंद₹ गेटों को ₹सड़क यातायात के लिए खुले₹ गेटों में बदलने के लिए नीति की समीक्षा की जाएगी। एलसी गेटों के इंटरलॉकिंग कार्यों को मिशन मोड में त्वरित गति से पूरा किया जाएगा। रेलवे पीएसयू को इंटरलॉकिंग कार्यों और निर्माण कार्यों में शामिल किया जाएगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202506330400040
मामले की श्रेणीः- राजस्व

विषयः- अ-2, सनः- 2024-2025
लालपुर प.ह.नं. 00012 (हे.)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - उत्तम दुग्गड़
अनावेदक पक्षकार - छ.ग. शासन

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202506330400040/ अ-2/2024-25
पक्षकार उत्तम दुग्गड़ प्रति छ.ग. शासन

ग्राम/नगर मनेन्द्रगढ़ की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक उत्तम दुग्गड़ आ. स्व. गणेशमल दुग्गड़, उम्र करीब 46 वर्ष, जाति-जैन, निवासी वार्ड नं. 12 ओसवाल कॉम्पलेक्स मनेन्द्रगढ़, तह. मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) द्वारा छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 172 के तहत प.ह.नं. 12, ग्राम लालपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 146/10, 146/15 रकबा क्रमशः 0.0680, 0.040 हे. भूमि का आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेखों में खातेदार के रूप में दर्जशुदा एवं कब्जेदार भूमिस्वामी है। उक्त भूमि के सम्पूर्ण रकबा का औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि परिवर्तन का आवेदन पत्र मय रजिस्ट्री, खसरा, बी-वन, ऋण पुस्तिका एवं ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 14/07/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/06/2025 को जारी किया जाता है।

लिंगराज सिदार
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
मनेन्द्रगढ़, जिला- एम.सी.बी. (छ.ग.)

शिक्षकों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में एकलव्य आदर्श आवासी विद्यालय, घूघरा (सोनहत) में शिक्षकों की गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछली परीक्षाओं में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों का आंकलन करते हुए कलेक्टर ने शिक्षकों से वर्तमान शैक्षणिक सत्र की कार्ययोजना की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि छात्रों की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षण में नवीन तकनीकों जैसे ऑडियो, वीडियो और मैपिंग का उपयोग किया जाए। विषयवार चर्चा के दौरान उन्होंने सभी शिक्षकों को अपने पढ़ाने के स्तर में नवाचार लाने और बच्चों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 'बच्चे कच्ची मिट्टी जैसे होते हैं, उन्हें जिस माहौल में ढाला जाएगा, वे वैसा ही बनेंगे।' इसलिए उन्हें सकारात्मक और सृजनात्मक वातावरण देना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों से अंग्रेजी में संवाद करें और उन्हें अंग्रेजी बोलने का अभ्यास कराएं। बैठक में कलेक्टर ने जिले के कुछ प्रेरणादायक शिक्षकों का उदाहरण देते हुए बताया कि थोड़ी सी अतिरिक्त मेहनत और समझदारी से कैसे छात्रों के मनोबल को बढ़ाया जा सकता है, जिससे अच्छे परिणाम भी देखने को मिलते हैं। उन्होंने शिक्षकों को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय का भ्रमण कर शिक्षण वातावरण एवं प्रबंधन की शैली से प्रेरणा लेने की सलाह दी। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखें, उनका समाधान किया जाएगा, लेकिन अच्छे परिणाम देने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है। उन्होंने जानकारी दी कि विद्यालय में शीघ्र ही स्मार्ट बोर्ड लगाए जाएंगे, छात्रावासों में सोलर पंप और एग्जॉस्ट फैन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि छात्रों को पढ़ाई में कोई असुविधा न हो। बैठक के उपरांत कलेक्टर ने १०वीं और १२वीं कक्षा के छात्रों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और भविष्य की तैयारी को लेकर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को १०० प्रतिशत लक्ष्य लेकर समूह अध्ययन करने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने बालक एवं बालिका छात्रावासों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य जांच, भोजन व्यवस्था और वातावरण को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

नारायण से ऊपर है गुरु का दर्जा - पंडित ओम नारायण
उत्साह पूर्वक मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व समाज को सत्य, सेवा और ज्ञान के मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों एवं गुरुओं के प्रति कृतज्ञता अर्पित करने का अवसर है। इस पावन अवसर पर नगर के श्रीराम मंदिर में परंपरागत ढंग से गुरु पूजन महोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

सैकड़ों श्रद्धालु श्रद्धा एवं आस्था के साथ मंदिर परिसर में उपस्थित हुए और श्रीराम मंदिर के पूज्य गुरुदेव पंडित ओम नारायण द्विवेदी का विधिवत पूजन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मंदिर परिसर गुरु भक्ति और जयकारों से गूंज उठा। पूजन उपरांत साधकों एवं भजन मंडली द्वारा संगीतमय भजन-संकीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिसमें श्रद्धालु भावविभोर होकर शामिल हुए। भक्तिरस से सराबोर यह आयोजन दिनभर चलता रहा। गुरु पूजन के बाद भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में गुरु भाईयों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रेम, समर्पण और सेवा की भावना से भरा यह आयोजन सफल और भावपूर्ण रहा।

गुरु वंदना से मोक्ष की प्राप्ति संभव

इस अवसर पर पंडित ओम नारायण द्विवेदी ने कहा कि सनातन धर्म में गुरु का स्थान देवता से भी ऊपर माना गया है। गुरु ही वह ज्योति है जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर मोक्ष का मार्ग दिखाती है। उन्होंने गुरु परंपरा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कई प्रेरणादायी उदाहरण भी प्रस्तुत किए। आज गुरु पूर्णिमा के इस पावन पर्व पर हम उन महापुरुषों को स्मरण करते हैं, जिन्होंने अपने ज्ञान, तप, सेवा और मार्गदर्शन से हमारे जीवन को दिशा दी। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षक नहीं, वह जीवन निमार्ता हैं जो हमें केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि संस्कार, चरित्र और धर्म का ज्ञान देते हैं। गुरु वह दीपक हैं, जो अंधकार में भी हमारा हाथ थामे रखते हैं। गुरु वह सीढ़ी हैं, जिनके सहारे हम ईश्वर तक पहुँच सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने युवा पीढ़ी से भारतीय मूल्यों और परंपराओं से जुड़ने किया आह्वान

बुंदेली में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शाला प्रवेश उत्सव और समाधान शिविर आयोजित

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत बुंदेली में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर हायर सेकेंड्री स्कूल बुंदेली के ग्राउंड में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव और समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत छत्तीसगढ़ महतारी और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात शाला में नवप्रवेशित विद्यार्थियों मिस्टी, उजयंती, शिवम, उमेश, सौम्या, आर्यन तिर्की, राजकुमारी, आशा, आशीष, रामलखन और पूनम देवी का तिलक कर पुष्पवर्षा एवं मिठाई वितरण कर आत्मीय स्वागत किया गया और उन्हें अध्ययन सामग्री, गणवेश व बैग वितरित किए गए।

टॉपर छात्र- छात्राओं को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित - शैक्षणिक सत्र 2024-25 में विभिन्न कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों कक्षा 5वीं से रीता, मुक्तान सिंह, ललिता, खुशी, समन सिंह और सोनी, कक्षा 8वीं से पूनम देवी, सीता और सुषमा, कक्षा 10वीं से संजना देवी और विनोद कुमार एवं कक्षा 12वीं से मुस्कान सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र में नव प्रवेशी बच्चों का भी स्वागत-सम्मान किया गया।

जाति प्रमाण पत्र तथा वनाधिकार पट्टा का वितरण - शाला प्रवेश उत्सव के साथ आयोजित समाधान शिविर में शिक्षा विभाग द्वारा 14 छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कक्षा 6वीं में 22 और कक्षा 7वीं में 5 विद्यार्थियों ने नव प्रवेश लिया, जिनका पारंपरिक रूप से स्वागत हुआ। शिविर में वन विभाग द्वारा 34 पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा भी वितरित किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने गुरु-शिष्य परंपरा को किया रेखांकित - कार्यक्रम में मंत्री जायसवाल ने कहा कि गुरु नहीं तो ज्ञान नहीं, और ज्ञान के बिना मानवता का कोई अस्तित्व नहीं। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताई और आज की युवा पीढ़ी को भारतीय मूल्यों और परंपराओं से जुड़ने को कहा। उन्होंने सभी ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अपनी मां के नाम से कम से कम एक फलदार पौधा अवश्य लगाएं और सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र को जीवन में अपनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और समस्त ग्रामीणजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

गुरुजनों का शॉल एवं श्रीफल देकर किया गया सम्मान - इस अवसर पर सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामाजिक योगदान के लिए गुरु सम्मान समारोह में नवल दास मानिकपुरी (गायक), अनुसूइया मानिकपुरी (गायिका), शिवनाथ यादव (प्राध्यापक) और डॉ. विनोद पाण्डेय को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षकों द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन संस्था प्रमुख द्वारा किया गया।

Sports Live

ऋषभ शेट्टी के जन्मदिन पर प्रशंसकों को तोहफा, सामने आया कांतारा: चैप्टर 1 से भयानक अवतार

अभिनेता, निमार्ता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी पिछले काफी समय से फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से उनका नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें उनका खतरनाक अवतार देखने को मिल रहा है। ऋ षभ के जन्मदिन के अवसर पर यह तोहफा प्रशंसकों को मिला है, जिसके बाद फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि इस बार ऋ षभ का पहले से कहीं ज्यादा खूंखार अवतार देखने को मिलेगा। फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी होम्ब्ले फिल्म्स ने पोस्टर साझा कर लिखा, जहां किंवदंतियां जन्म लेती हैं और जंगली जानवरों की दहाड़ गूंजती है। कांतारा- लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली एक शानदार फिल्म का प्रीक्वल। इस किंवदंती के पीछे की अग्रणी शक्ति ऋषभ शेट्टी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड में पहली बार जीती टी-20 सीरीज, ये रिकॉर्ड्स बने

नईदिल्ली, 10 जुलाई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में उसने 3-1 से अजेय बढ़त ले ली है। यह क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के इतिहास में पहला मौका है जब भारतीय महिला टीम इंग्लैंड में कोई टी-20 सीरीज जीतने में सफल रही है।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उनका ये फैसला गलत साबित हुआ और 20 ओवर में टीम सिर्फ 126/7 का स्कोर ही बना पाई। सोफिया डंकली ने सबसे ज्यादा 22 रन बनाए। भारत के लिए राधा यादव और श्री चारणी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में स्मृति मंधाना (32) और शफाली वर्मा (31) की पारियों के दम पर भारतीय टीम ने 17 ओवर में ही जीत दर्ज कर ली।

दीप्ति शर्मा ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की। दीप्ति मैच से पहले 299 विकेट के साथ मैदान पर उतरी थीं। उन्होंने 4 ओवर में 29 रन देकर 1 विकेट झटका। दीप्ति के ये 300 विकेट टेस्ट, वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल मिलाकर हैं। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली चुनिंदा खिलाडि ?ों में शामिल हो गई हैं।

दीप्ति अब महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने 128 मैचों में 19.03 की औसत से 145 विकेट अपने नाम किए हैं। दीप्ति ने पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की निदा डार को पीछे छोड़ा है, जिनके नाम 144 विकेट हैं। अब दीप्ति से आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया की मेगन शुट्ट हैं, जिनके नाम 151 विकेट हैं। इस उपलब्धि के साथ दीप्ति ने भारतीय महिला क्रिकेट में एक और बड़ा मुकाम हासिल किया है।

सोफी एक्लेस्टन ने अपना 100वां महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला और इसी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट भी पूरे किए। उन्होंने 10 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए और 4 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया। एक्लेस्टन के अब 140 टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हो गए हैं, वह इस प्रारूप में 140+ विकेट लेने वाली चौथी गेंदबाज बनी हैं। उनके कुल 300 विकेटों में 40 टेस्ट और 120 वनडे विकेट भी शामिल हैं।

मंधाना ने 31 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल थे। उन्होंने 146 पारियों में 30.10 की औसत से 3,974 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां उन्होंने 40.73 की औसत से 937 रन बनाए हैं। दूसरी ओर शफाली ने 19 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 31 रन बनाए। उनके अब 89 मैचों में 2,146 रन हो गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 17 मैचों में 307 रन बनाए हैं।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 25 गेंदों पर 26 रन बनाए, जिसमें 3 चौके शामिल रहे। उन्होंने 181 मैचों में 3,639 रन बनाए हैं। जेमिमा रोड्रिग्स ने 22 गेंदों पर नाबाद 24 रन बनाए और उनके नाम 2,374 रन हैं।

शुभमन गिल लॉर्ड्स में रचेंगे इतिहास

0-डॉन ब्रैडमैन, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर का तोड़ेंगे रिकॉर्ड

नई दिल्ली,10 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच गुरुवार से लॉर्ड्स में खेला जाने वाला है. इस टेस्ट मैच से पहले दूसरे टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन और दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे. वो अब तक पांच मैचों की सीरीज में 2 मैचों के बाद 585 रन बना चुके हैं. गिल अब सर डोनाल्ड ब्रैडमैन के 95 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने की कगार पर हैं.

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के पास लॉर्ड्स टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज सर डॉन ब्रैडमैन के साथ-साथ विराट कोहली, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड भी तोड़ने का भी मौका होगा. तो आइए इन रिकॉर्ड्स के बारे में जानते हैं.

शुभमन गिल के इंग्लैंड दौरे पर पहले दो टेस्ट के बाद 585 रन हैं. सर डॉन ब्रैडमैन के नाम कप्तान के रूप में एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 810 रन बनाए हैं. इसका मतलब है कि गिल कप्तान के रूप में एक सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में डॉन को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं. गिल को ब्रैडमैन को पीछे छोड़ने से 225 रन पीछे हैं. पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में कप्तान के रूप में 810 रन बनाए थे. शुभमन गिल के पास इंग्लैंड दौरे पर भारत के कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने का मौका होगा. वो विराट कोहली (593 रन) को पीछे छोड़ ये रिकॉर्ड हासिल कर सकते हैं. गिल के पास अभी 585 रन हैं. इसका मतलब है कि गिल को कोहली से आगे निकलने के लिए सिर्फ 9 रन की जरूरत है.

गिल एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी के रूप में सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ सकते हैं. 'लिटिल मास्टर' ने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 774 रन बनाए थे. उस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए गिल को 128 रन और बनाने होंगे.

पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के नाम ब्रिटिश (इंग्लैंड में) धरती पर एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन (602) बनाने का रिकॉर्ड है. गिल को 'द वॉल' को पीछे करने के लिए सिर्फ 18 रन की जरूरत है.

गिल के पास इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने के रिकॉर्ड में अपने मौजूदा साथी यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़ने का भी मौका है. बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने पिछले साल घरेलू

निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने के लिए आसियान सदस्य देशों के साथ बातचीत में तेजी लाने की उम्मीद : पीयूष गोयल

नई दिल्ली ,10 जुलाई । केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री तजफरुल अजीज के साथ उनकी एक सार्थक बैठक हुई, जिसमें उन्होंने आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की चल रही समीक्षा पर चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, निष्पक्ष व्यापार और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए आसियान सदस्य देशों के साथ बातचीत में तेजी लाने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमने दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर भी चर्चा की। मलेशिया आर्थिक मामलों पर आसियान की ओर से भारत का परमानेंट कोऑर्डिनेटर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स समिट के दौरान अपने मलेशियाई समकक्ष अनवर बिन इब्राहिम से भी मुलाकात की थी और अन्य मुद्दों के अलावा, आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा पर भी चर्चा की थी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान के सफल नेतृत्व के लिए मलेशिया को बधाई दी और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए उसके निरंतर समर्थन का स्वागत किया, जिसमें आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा को शीघ्र और सफलतापूर्वक पूरा करना भी शामिल है। एआईटीआईजीए दस आसियान सदस्य देशों (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम) और भारत के बीच एक व्यापार समझौता है। इसका उद्देश्य व्यापार को सुगम बनाने के लिए शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना है।

यह समझौता 2009 में हस्ताक्षरित हुआ था और 1 जनवरी, 2010 को एक व्यापक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) के फ्रेमवर्क के हिस्से के रूप में लागू हुआ। एआईटीआईजीए भौतिक वस्तुओं के व्यापार पर केंद्रित है और सेवाओं के व्यापार को कवर नहीं करता है, जिनका उल्लेख 2014 में हस्ताक्षरित एक अलग समझौते में किया गया है।

छोटी खबरें

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले सलामी बल्लेबाजों पर एक नजर

नईदिल्ली,10 जुलाई। टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज की भूमिका बेहद अहम होती है। नई गेंद, पिच की ताजगी और गेंदबाजों की धार का सामना करते हुए लंबी पारियां खेलना बेहद मुश्किल होता है। हालांकि, कुछ सलामी बल्लेबाज ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने न सिर्फ पारी की शुरूआत संभाली, बल्कि उसे बड़े शतकों में भी बदला। ऐसे में आइए ऐसे सलामी बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाए हैं। इस सूची में पहले स्थान पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर हैं। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर 203 पारियों में 12 बार नाबाद रहते हुए 9,607 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 33 शतक निकले थे और उनकी औसत 50.30 की रही थी। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 221 रन रहा था। गावस्कर ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अपना पहला मैच साल 1971 में खेला था। आखिरी बार वह 1986 में खेलते हुए नजर आए थे। दूसरे स्थान पर पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक हैं, जिन्होंने बतौर सलामी बल्लेबाज 31 शतक जड़े थे। उन्होंने 278 पारियों में 11,845 रन बनाए, जिसमें उनकी औसत 44.87 की रही। कुक 14 बार नाबाद लौटे और टेस्ट में अपने संयम व तकनीक के लिए मशहूर रहे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में पहला मुकाबला 2006 में खेला था और 2018 में आखिरी बार मैदान पर नजर आए थे। उनकी गिनती इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में होती है। मैथ्यू हेडन तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 30 शतक जड़े थे। उन्होंने 184 पारियों में 8,625 रन बनाए थे, जिसमें उनकी औसत 50.74 की थी। हेडन 14 बार नाबाद लौटे और लंबी पारियां खेलने के लिए मशहूर रहे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में 1994 में खेलना शुरू किया और 2009 में अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहा। हेडन की आक्रामकता ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार दमदार शुरूआत दिलाई। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में 27 टेस्ट शतक लगाए। स्मिथ ने 196 पारियों में कुल 9,030 रन बनाए और उनकी औसत 49.08 की रही। वे 12 बार नाबाद लौटे और अपनी गहरी तकनीक व साहसिक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे। उन्होंने बतौर सलामी बल्लेबाज 2002 में टेस्ट करियर की शुरूआत की और 2014 में आखिरी बार टेस्ट क्रिकेट में नजर आए थे।

संजय मिश्रा और विक्टर बनर्जी की फिल्म 'पांच सितंबरइ का ट्रेलर रिलीज, टीचर्स को समर्पित कहानी 18 जुलाई को होगी रिलीज

संजय मिश्रा और विक्टर बनर्जी स्टारर पांच सितंबर का ट्रेलर अब रिलीज हो चुका है. फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के दिल को छूने वाला है, जिसमें सपनों, दूसरी चांस और टीचर्स को ट्रिब्यूट का खूबसूरत मैसेज है. यह फिल्म 18 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म की कहानी, निर्देशन और निर्माण कुणाल शमशेर मल्ला ने किया है, जबकि अनुराधा पुंडीर मल्ला ने इसे प्रोड्यूस किया है और एसोसिएट प्रोड्यूसर हैं मोहित श्रीवास्तव. फिल्म की स्टारकास्ट में संजय मिश्रा और विक्टर बनर्जी के साथ बृजेंद्र काला, अतुल श्रीवास्तव, दीपराज राणा, काविन दवे, कुणाल शमशेर मल्ला, किरण दुबे, सारिका सिंह और गायत्री भार्गवी भी शामिल हैं. ट्रेलर देखकर साफ है कि फिल्म में इमोशन, ड्रामा और उम्मीद की कहानी को दिल से पेश किया गया है. पांच सितंबर एक ऐसी कहानी है जो यह दिखाती है कि जिंदगी में कभी भी नया मौका मिल सकता है और टीचर्स की अहमियत को बड़े ही संजीदा अंदाज में सामने लाती है. ट्रेलर के बाद अब

------------------------- व्यापार-------------------------

भारत 2025 में दुनिया के टॉप 10 टेक मार्केट में होगा शामिल : रिपोर्ट

बेंगलुरु ,10 जुलाई । भारत 2025 में खासकर प्रतिभा उपलब्धता के मामले में दुनिया के टॉप 10 टेक मार्केट में शामिल होगा, जिसमें देश के टॉप छह शहर पहले से ही एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तकनीकी प्रतिभा अधिग्रहण के लिए टॉप 10 की सूची में शामिल हैं। कोलियर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र एक ग्लोबल टेक टैलेंट हब के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जहां दुनिया के टॉप 10 स्थानों में से तीन भारत (बेंगलुरु), जापान (टोक्यो) और चीन (बीजिंग) में स्थित हैं।

कोलियर्स के इंडिया ऑफिस सर्विसेस मैनेजिंग डायरेक्टर अर्पित मेहरोत्रा ने कहा, भारत टेक टैलेंट का पावरहाउस है और ग्लोबल इनोवेशन इकोसिस्टम में एक की प्लेयर है, जिसे देश के टियर-1 और उभरते शहरों में कुशल प्रतिभा और रोजगार के अवसरों की उपलब्धता का समर्थन प्राप्त है।

भारत के प्रमुख तकनीकी शहरों में एशिया प्रशांत क्षेत्र की कुल तकनीकी प्रतिभा का 69 प्रतिशत हिस्सा है। बेंगलुरु और हैदराबाद, जो इस क्षेत्र के सबसे बड़े प्रतिभा समूहों की मेजबानी करते हैं, टेक लीजिंग एक्टीविटी में अग्रणी बने हुए हैं और 2025 की पहली छमाही में पारंपरिक ऑफिस स्पेस की लगभग 50 प्रतिशत मांग को इन दोनों बाजारों द्वारा पूरा किया जाएगा।

मेहरोत्रा ने आगे कहा, हाई-क्वालिटी ऑफिस स्पेस की उपलब्धता, मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और लागत प्रतिस्पर्धा के साथ, भारत के ऑफिस मार्केट, टेक्नोलॉजी-लेड ग्लोबल इकोनॉमिक विस्तार के लिए टॉप गंतव्यों में प्रमुखता से शामिल होते रहेंगे। रिपोर्ट में प्रतिभा अधिग्रहण, वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग, लेबर इंडेक्स, टैलेंट पाइपलाइन और क्षेत्र संरचना के आधार पर 200 से अधिक ग्लोबल मार्केट का विश्लेषण किया गया।

भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी तकनीकी प्रतिभाओं के लिए शीर्ष गंतव्यों में से एक है। रिपोर्ट में पाया गया कि बेंगलुरु और हैदराबाद भारत में पसंदीदा तकनीकी गंतव्य बने हुए हैं, इसके बाद अन्य प्रमुख बाजार हैं, जो सभी कुशल प्रतिभाओं की उपलब्धता और एक मैच्योर टेक इकोसिस्टम वाली वैश्विक तकनीकी कंपनियों को आकर्षित करते हैं।

भारत के टॉप सात शहरों में टेक्नोलॉजी सेक्टर के ऑक्यूपायर्स ऑफिस स्पेस की मांग का आधार बने हुए हैं, जिसने पिछले कुछ वर्षों में कन्वेंशनल और फ्लेक्स स्पेस दोनों प्रकार के स्थानों में ग्रेड ए स्थान की मांग को बढ़ावा दिया है।

2025 की पहली छमाही के दौरान, तकनीकी कंपनियों ने शीर्ष सात शहरों में 1 करोड़ वर्ग फुट से ज्यादा ऑफिस स्पेस लीज पर लिया, जिससे कन्वेंशनल स्पेस की मांग का 40 प्रतिशत हिस्सा हासिल हुआ। फ्लेक्स स्पेस में भी, लगभग आधी मांग तकनीकी कंपनियों से आई।

वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में भारत के कमर्शियल रियल एस्टेट क्षेत्र में गति को आगे बढ़ा रहे हैं। इनोवेशन, मापनीयता और लागत दक्षता पर जोर देते हुए, भारत ने खुद को जीसीसी विस्तार के लिए एक ग्लोबल हब के रूप में स्थापित किया है।

कोलियर्स इंडिया के नेशनल डायरेक्टर और रिसर्च हेड विमल नादर ने कहा, भारत वैश्विक कंपनियों, खासकर तकनीकी क्षेत्र की कंपनियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है, जहां जीसीसी ट्रेडिशनल बैक-ऑफिस कार्यों से रणनीतिक इनोवेशन हब के रूप में लगातार विकसित हो रहे हैं। 2025 की पहली छमाही में, तकनीकी व्यवसायियों ने कुल जीसीसी लीजिंग के 41 प्रतिशत हिस्से यानी 52 लाख वर्ग फुट का योगदान दिया। दिलचस्प बात यह है कि बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और हैदराबाद ने सामूहिक रूप से इस मांग में 85 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया।

मस्क की कंपनी 'स्टारलिंकइ को भारत में सभी मंजूरियां मिलीं, जल्द मिलेगा हाईस्पीड सैटेलाइट

नई दिल्ली ,10 जुलाई । भारत में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को बुधवार को देश के स्पेस रेगुलेटर भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) से मंजूरी मिल गई है।

इन-स्पेस की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑथराइजेशन लिस्ट के अनुसार, इस मंजूरी के बाद स्टारलिंक के लिए देश में कमर्शियल सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए अंतिम विनियामक बाधा दूर हो गई है। स्टारलिंक को अब सरकार से स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा और अपनी सेवाओं के लिए जमीनी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा। दूरसंचार विभाग (डीओटी) सुरक्षा अनुपालन को पूरा करने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी को ट्रायल स्पेक्ट्रम देने के लिए तैयार है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद स्टारलिंक देश में कुछ महीनों में ही सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस शुरू कर सकती है।

स्टारलिंक ने भारत में वीसैट प्रोवाइडर्स के साथ पहले ही व्यावसायिक समझौते पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। वीसैट (वेरी स्मॉल अपर्चर टर्मिनल) सेवा प्रदाता उपग्रह-आधारित इंटरनेट और संचार समाधान प्रदान करते हैं, खासकर उन स्थानों के लिए जहां स्थलीय कनेक्टिविटी सीमित या बिल्कुल नहीं है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछले हफ्ते कहा था कि स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा के भारत में प्रवेश के लिए उनकी ओर से सभी आवश्यक जांच-पड़ताल पूरी कर ली गई है, और स्पेस रेगुलेटर से आवश्यक नियामक और लाइसेंसिंग मंजूरी मिलने के बाद, वे जब चाहें देश में यह सेवा शुरू कर सकते हैं। मंजूरी देने से पहले स्पेस रेगुलेटर ने स्टारलिंक को एक लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी किया था। स्टारलिंक पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले सैटेलाइट के एक नेटवर्क के माध्यम से इंटरनेट प्रदान करता है। कंपनी वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े सैटेलाइट नेटवर्क का संचालन करती है, जिनके 6,750 से अधिक सैटेलाइट कक्षा में स्थापित हैं।

मेक इन इंडिया बूस्ट : सैमसंग इंडिया ने गैलेक्सी जेड फोल्ड7, फ्लिप7 के लिए प्री-ऑर्डर किए शुरू

नई दिल्ली ,10 जुलाई । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने घोषणा की कि 'मेक इन इंडियाइ पहल को बढ़ावा देने के क्रम में कंपनी ने अब तक की सबसे एडवांस गैलेक्सी जेड सीरीज गैलेक्सी जेड फोल्ड7 और गैलेक्सी जेड फ्लिप7 के लिए प्री-ऑर्डर लेना शुरू कर दिया है, जिनका निर्माण देश में ही किया जा रहा है।

गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सी जेड फोल्ड सीरीज में अब तक का सबसे पतला और हल्का फोन है, जो बेहतर गैलेक्सी डिजाइन, कैमरा कार्यक्षमता और एआई इनोवेशन के साथ आता है। कंपनी ने कहा कि डिवाइस एक अल्ट्रा-स्मार्टफोन जैसे प्रीमियम परफॉर्मेंस और एक्सपीरियंस प्रदान करता है, साथ ही अनफोल्ड होने पर एक बड़े, अधिक इमर्सिव डिस्प्ले के साथ दक्षता और उत्पादकता के नए स्तरों को भी पेश करता है।

गैलेक्सी फ्लिप7 की शुरूआती कीमत 1,09,999 रुपए है, जबकि गैलेक्सी फोल्ड7 की शुरूआती कीमत 1,74,999 रुपए है। इसके समान गैलेक्सी फ्लिप7 एफई की शुरूआती कीमत 89,999 रुपए है। कंपनी ने बताया कि गैलेक्सी ' फोल्ड7 और ' फ्लिप7 को प्री-ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के अलावा 12,000 रुपए के प्री-ऑर्डर बेनिफिट्स मिलेंगे।

अपने अल्ट्रा-थिन और हल्के डिजाइन और चौड़े कवर डिस्प्ले के साथ, गैलेक्सी ' फोल्ड7 एक सहज ऑन-द-गो एक्सपीरियंस प्रदान करता है, जो इसे फोल्ड करने पर टाइपिंग और ब्राउजिंग को आसान बनाता है। केवल 215 ग्राम वजन के साथ, गैलेक्सी ' फोल्ड7, गैलेक्सी स्25 अल्ट्रा से भी हल्का है। फोल्ड होने पर यह केवल 8.9 मिमी मोटा और अनफोल्ड होने पर 4.2 मिमी मोटा है। यह डिवाइस 6.5-इंच डायनामिक एमोलेड 2& कवर डिस्प्ले, नए 21:9 आस्पेक्ट रेशियो वाली एक चौड़ी स्क्रीन के साथ आता है। 8-इंच डायनामिक एमोलेड 2& मुख्य डिस्प्ले अल्ट्रा-रिच कंट्रास्ट, ट्रू ब्लैक और वाइब्रेंट डिटेल प्रदान करता है जो फिल्मों से लेकर मल्टीटास्किंग के दौरान खुले टैब तक, सब कुछ आकर्षक बना देता है। विजन बूस्टर और 2,600 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस के साथ, गैलेक्सी ' फोल्ड7 डायरेक्ट सनलाइट में भी बेहतर काम करता है। गैलेक्सी ' फोल्ड7 स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर से लैस है। यह पावर गैलेक्सी ' फोल्ड7 को बिना किसी समझौते के डिवाइस पर ज्यागा एआई एक्सपीरियंस प्रॉसेस करने की क्षमता प्रदान करता है।

गैलेक्सी ' फ्लिप7 एक कॉम्पैक्ट एआई फोन है, जिसमें मल्टीमॉडल क्षमताएं हैं, जो एक नए फ्लेक्सविंडो द्वारा संचालित है। 4.1 इंच का सुपर एमोलेड फ्लेक्सविंडो, गैलेक्सी ' फ्लिप में अब तक का सबसे बड़ा है, जिसमें एज-टू-एज यूजेबिलिटी है। मेन डिस्प्ले 6.9 इंच का डायनामिक एमोलेड 2 है, जो एक बेहद स्मूथ, इमर्सिव एक्सपीरियंस के लिए बनाया गया है। केवल 188 ग्राम वजन और फोल्ड होने पर केवल 13.7 मिमी माप वाला, गैलेक्सी ' फ्लिप7 अब तक का सबसे पतला गैलेक्सी ' फ्लिप है।

62.20 प्रतिशत खाद का भंडारण, 51.25 प्रतिशत किसानों को हुआ वितरण

रायपुर। रायपुर जिले में खरीफ 2025 फसल सीजन के लिए रासायनिक खाद का भंडारण तेजी से किया जा रहा है। जिले की सहकारी समितियों को कुल 50,603 मीट्रिक टन खाद का लक्ष्य मिला है, जिसमें से अब तक 31,474 मीट्रिक टन खाद जमा किया जा चुका है। यह कुल लक्ष्य का 62.20 प्रतिशत है। इस भंडारण में 7,062 मीट्रिक टन डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) शामिल है। किसान अपनी जरूरत के अनुसार समितियों से नियमित रूप से खाद ले रहे हैं। अब तक 25,935 मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित की जा चुकी है, जो कुल लक्ष्य का 51.25 प्रतिशत है। जिले में खादों का भंडारण और वितरण किया जा रहा है सुपर फॉस्फेट का भंडारण 2,768 मीट्रिक टन, वितरण 1,921 मीट्रिक टन, पोटाश का भंडारण - 2,175 मीट्रिक टन एवं वितरण - 1,528 मीट्रिक टन किया गया है, एनपीके का भंडारण- 3,858 मीट्रिक टन, वितरण - 3,384 मीट्रिक टन किया जा चुका है।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ के लाल अनिमेष कुजूर ने रचा नया इतिहास, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने ग्रीस के एथेंस में आयोजित ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट मीट में 100 मीटर दौड़ को मात्र 10.18 सेकेंड में पूरा कर भारत के लिए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर पोस्ट कर उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम सभी के लिए यह अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है कि छत्तीसगढ़ के अनिमेष कुजूर ने ग्रीस में आयोजित ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट मीट में 100 मीटर दौड़ को मात्र 10.18 सेकेंड में पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया है। इससे पहले अनिमेष ने दक्षिण कोरिया में हुए एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 200 मीटर दौड़ को 20.32 सेकेंड में पूरा कर एक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था। उन्होंने युवा खिलाड़ी अनिमेष को बधाई देते हुए कहा कि आपकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि हर युवा को आगे बढ?ने की प्रेरणा देगी। छत्तीसगढ़ को आप पर गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिमेष की यह उपलब्धि युवा शक्ति के आत्मविश्वास और सपनों की उड़ान का प्रतीक है। उनका यह प्रदर्शन न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। प्रदेश सरकार युवाओं की प्रतिभा को पहचानने और प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग में टाउन प्लानर्स के 50 अतिरिक्त पदों की स्वीकृति

भारत सरकार के अर्बन प्लानिंग रिफॉर्म्स के तहत किया गया है सृजन

रायपुर। भारत में शहरीकरण की तीव्र गति को सुनियोजित विकास की दिशा प्रदान करने के लिए और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने के उद्देश्य से, छत्तीसगढ़ राज्य में टाउन प्लानर्स के 50 अतिरिक्त पदों का सृजन किया गया है। उक्त पदों में उप संचालक योजना के 10 पद, सहायक संचालक योजना के 17 पद एवं वरिष्ठ योजना सहायक के 23 पद शामिल है। नीति आयोग, भारत सरकार की रिपोर्ट एवं अर्बन प्लानिंग रिफॉर्म्स के अंतर्गत टाउन प्लानिंग कैपेसिटी को बढ़ाने के उद्देश्य से यह अहम् कदम लिया गया है, जिससे भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे स्मार्ट सिटी, अमृत मिशन, हृदय, प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना आदि को गति मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित स्टेट कैपिटल रीजन के गठन के उद्देशय को भी साकार किया जा सकेगा। विभाग के अधिकारियों ने बताया की उक्त पदों की स्वीकृति में वित्त एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी की अहम् भूमिका रही है, जिन्होंने व्यक्तिगत रूचि लेते हुए माननीय प्रधानमंत्री के छत्तीसगढ़ के शहरों को वैश्विक पहचान दिलाये जाने के विजन को आगे बढ़ाया है। अगले चरण में उक्त पदों पर छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से भर्ती एवं पदोन्नति की जाएगी, जिससे राज्य में टाउन प्लानर्स की कमी को पूरा किया जा सकेगा। उक्त पदों के सृजन से छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों जैसे एनआईटी रायपुर, सीएसवीटीयू भिलाई आदि में अध्ययनरत अर्बन प्लानिंग छात्रों में एक नई ऊर्जा का संचार है, क्योंकि उक्त पदों के सृजन से शीघ्र ही भर्ती की जाएगी एवं रोजगार के नवीन अवसर सृजित होंगे एवं छत्तीसगढ़ राज्य के शहरों का सुनियोजित विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा।

विधानसभा का मानसून सत्र 14 से, होंगी पांच बैठकें, लगाए गए 996 सवाल

रायपुर। विधानसभा का मानसून सत्र 14 से 18 जुलाई तक चलेगा, इस दौरान कुल पांच बैठकें होंगी। समय कम होने की वजह से सरकार को घेरने के लिए विपक्ष हर दिन स्थगन प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों के भी तीखे तेवर देखने को मिल सकते हैं। मानसून सत्र के लिए विधायकों ने 996 सवाल लगाए हैं। चूंकि राज्य सरकार को करीब डेढ़ साल हो गए हैं, इसलिए माना जा रहा है कि इस बार भाजपा सरकार में हुई गड़बडि?ों के सवाल को प्रमुखता से उठाया जाएगा। मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए इस बार विपक्ष के पास मुद्दों की कमी नहीं है। इसमें किसानों को खाद बीज की समस्या, कानून व्यवस्था, युक्तियुक्त करण, कानून व्यवस्था, पेड़ की कटाई, अवैध रेत और अवैध शराब सहित अन्य मुद्दों को लेकर सवाल लगे हैं। इसके साथ भारत माला परियोजना में हुए भ्रष्टाचार पर इस बार भी सदन गरमा सकता है। ऐसे में सदन के अंदर गहमागहमी देखने को मिलेगी। मानसून सत्र के दौरान राज्य सरकार कई विधेयक पेश कर सकती है। राजस्व, आवास एवं पर्यावरण विभाग के विधेयक आने की संभावना है। वहीं राज्य सरकार द्वारा अन्य विषयों पर भी विधेयक लाया जा सकता है। सत्र के दौरान राज्य सरकार अनुपूरक बजट भी ला सकती है।

ई-रिक्शा के ड्राइवर और बुजुर्ग सवारी से 20 हजार की लूट

रायपुर। बुधवार की देर रात तीन लूटेरों ने ई-रिक्शा के ड्राइवर और बुजुर्ग सवारी से 20 हजार की लूट कर फरार हो गए। 3 लुटेरे चलती ई रिक्शा में सवार हो गए फिर बुजुर्ग से मोबाइल-कैश छीन कर मौके से फरार हो गए। बुजुर्ग अस्पताल में अपने बेटे को भर्ती कर वापस घर लौट रहा था तभी यह घटना घटित हो गई। डीडी नगर पुलिस ने अज्ञात लूटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी खोजबीन में जुट गई है। पीड़ित रामकुमार यादव ने डीडी नगर थाने में मामला दर्ज कराते हुए बताया कि वह 7 जुलाई को अपने लड़के की तबीयत खराब होने के बाद एक निजी अस्पताल में उसे भर्ती कर रात 8:30 बजे वह ई-रिक्शा से ब्राह्मण पारा के घर जाने के लिए निकले। रिंग रोड से होते हुए रायपुरा चौक के पास पहुंचे थे तभी ई-रिक्शा में सवार तीन युवकों ने उनके पैसे मोबाइल छीने। आरोपियों ने रामकुमार यादव और ई-रिक्शा चालक टेकेश्वर सिंह ठाकुर दोनों का मोबाइल छीन लिया। इसके अलावा बुजुर्ग के पास रखें करीब 20 हजार रुपये नगदी को छीन कर फरार हो गए।

बारिश में बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम नजारा

00 सैलानियों के लिए मानसून ट्रैकिंग का विशेष आयोजन

रायपुर। मानसून आते ही छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले का प्राकृतिक नजारा देखते ही बनता है। यहां प्रकृति अपने सबसे खूबसूरत रूप में नजर आती है। हरियाली, झरने और जंगलों का माहौल दिल को खुश कर देता है। इस मौसम में आप परिवार और दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने के साथ बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं।

बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासनं द्वारा मानसून ट्रैक की थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए मानसून के मौसम में प्राकृतिक सौंदर्य वाले स्थानों पर ट्रैकिंग का आयोजन किया जा रहा है। मानसून ट्रैक प्लान के तहत जिले के झरनों और जंगल-पहाड़ों जैसे दर्शनीय स्थलोंए जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैंए वहां प्रशिक्षित स्थानीय गाइडों के माध्यम से भ्रमण करवाया जाएगा। अगर आप वीकेंड पर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बस्तर जिले के प्राकृतिक जलप्रपात चित्रकोट, तीरथगढ़, चित्रधारा, मेंदरीघूमर, तामड़ाघूमर, बीजाकसा, मिचनार ये जगहें न सिर्फ प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर हैं, बल्कि यहां मानसून ट्रैक और फोटोग्राफी के लिए भी बेहतरीन माहौल है।

बस्तर जिले में पर्यटकों को आने के लिए विशाखापट्टनम से प्रतिदिन रेल सेवा संचालित है। साथ ही विमान सेवा के तहत हैदराबाद से प्रतिदिन, दिल्ली से सप्ताह में दो दिन की विमान सेवा उपलब्ध है। इसके अलावा जगदलपुर सड़क मार्ग से रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर सहित हैदराबाद, विशाखापट्टनम से नियमित बस की सुविधा भी है।

प्रशासन द्वारा मानसून ट्रैक कार्यक्रम को अन एक्सप्लोर्ड बस्तर के साथ मिलकर किया जा रहा है। मानसून ट्रैक के संबंध में जानकारी के लिए प्रशासन ने 9109188567 और 8962991988 संपर्क नंबर जारी किया है।

मानसून ट्रैक में चिन्हाकित स्थलों के तहत चित्रकोट सर्किट में ट्रैकिंग के लिए चित्रकोट दंडामी रिसॉर्ट से प्रारंभ कर करबहार (मिनी गोआ) 2 किलोमीटर की दूरी में बोटिंग, वाटरफाल, शिवलिंग का दर्शन, जलप्रपात का ऊपर से नजारा दिखाया जाएगा। साथ ही मेंदरी घुमर से इंद्रावती नदी तक 3 किलोमीटर के ट्रैक में रिवर क्रासिंग जंगली इलाके में, मेंदरीघुमर से तामड़ाघुमर तक (7 किमी) में 150 फिट डाउनवर्डस ट्रैक, क्रोकोडाइल साइटिंग, सेंडबिच, बर्ड वाचिंग, प्राकृतिक स्वीमिंग एरिया, तीरथा से बीजाकसा (2.5 किमी) तक की ट्रैकिंग बोटिंग कैम्प, बोनफायर, ट्रायबल फूड, तीरथा गांव का भ्रमण सहित स्थनीय स्तर की पौराणिक कहानी की जानकारी दी जाएगी। बीजाकसा से मेंदरी तक (8 किमी) में वाटरफॉल , वैली व्यू, जंगली जानवर और पंक्षियों की साइटिंग का आनंद लिया जा सकेगा। इसके अलावा मिचनार हिल्स क्षेत्र में ट्रैकिंग भी करवाया जाएगा।

बस्तर जिले में स्थित कांगेर वैली नेशनल पार्क के अधीन आने वाले टोपर वाटरफॉल का ट्रैकिंग, मड़वा वाटरफॉल का ट्रैकिंग, शिवगंगा ट्रैकिंग में जंगल एरिया के बीच जलप्रपात, झरना जंगली जानवर बर्ड वाचिंग करवाया जाएगा। कैलाश गुफा, कैलाश झील, गुडि?ा पदर में गांव से जलप्रपात तक (4 किमी) तक ट्रैकिंग करवाई जाएगी। तीरथगढ़ वॉटरफॉल से रानीदरहा वाटरफॉल (3 किमी) तक में जंगल एरिया वाईल्ड लाइफ, बर्ड वाचिंग, मालकेव ट्रैक में मादरकोंटा से तीरथगढ़ (8 किमी) तक जंगलों के बीच ट्रैकिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा जिले के माचकोट इलाके में स्थित झील और झरनों के नाम से प्रसिद्ध तिरिया में और माचकोट के जंगलों में भ्रमण करवाने की कार्य योजना बनाई गई है।

विधानसभा के नए भवन का काम सितम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य, इंटीरियर और फर्नीचर का काम जोरों पर

00 उप मुख्यमंत्री साव ने निमार्णाधीन विधानसभा भवन के कार्यों का किया निरीक्षण, निर्धारित समय पर काम पूर्ण करने के दिए निर्देश

00 छत्तीसगढ़ की झलक दिखाने वाला दर्शनीय भवन होगा विधानसभा की नई बिल्डिंग - साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर में निमार्णाधीन छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन के कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने निमार्णाधीन तीनों विंगों के कार्यों का बारिकी से अवलोकन कर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्धारित समय में सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। विधानसभा के नवीन भवन का सिविल वर्क पूर्ण होने के बाद फर्नीचर और इंटीरियर का काम प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नए विधानसभा भवन में कार्यों के निरीक्षण के बाद कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा यहां सभी कार्यों को सितम्बर माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। तदनुसार आगामी 1 नवम्बर को राज्योत्सव पर इसे छत्तीसगढ़ की जनता को समर्पित करने की तैयारी की जाएगी। नए भवन में विंग-ए जहां विधानसभा सचिवालय लगेगा और विंग-सी जहां उप मुख्यमंत्रियों एवं मंत्रियों के कार्यालय रहेंगे, का काम लगभग पूर्णता की ओर है। विधानसभा के सदन, सेंट्रल हॉल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय वाले विंग-बी में भी फर्नीचर और इंटीरियर का काम जल्दी चालू होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यों के निरीक्षण के दौरान विधानसभा के सदन में विधायकों के लिए लगने वाली कुर्सी का अवलोकन कर इसकी विशेषताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विधानसभा के नए भवन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और शिल्प की झलक मिलेगी। यह राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए दर्शनीय भवन होगा।

52 एकड़ में बन रहा विधानसभा भवन, 200 सदस्य बैठ सकेंगे सदन में

नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया भवन 52 एकड़ में निमार्णाधीन है। इसके सदन में सदस्यों की बैठक क्षमता 200 होगी। नए विधानसभा भवन के एक विंग में विधानसभा सचिवालय, दूसरे में विधानसभा का सदन, सेंट्रल-हॉल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का कार्यालय तथा तीसरे विंग में मंत्रियों के कार्यालय होंगे। यहां 500 दर्शक क्षमता का ऑडिटोरियम भी बनाया जाएगा। 700 कारों की पार्किंग क्षमता वाले परिसर में डेढ़-डेढ़ एकड़ के दो सरोवरों का निर्माण भी प्रस्तावित है।

अनोदिता हेल्थ केयर द्वारा जून व जुलाई में उत्पादित ग्लब्स पर सीजीएमएससी ने लगाई रोक

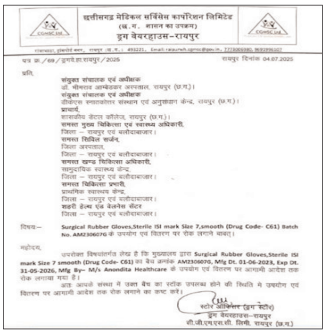
छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन लिमिटेड
(छ.ग. शासन का उपक्रम)
ड्रग वेयरहाउस-रायपुर

पत्र क्र./69/ड्रगवे.हा.रायपुर/2025 रायपुर दिनांक 04.07.2025

प्रति,
संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डॉ. भीमराव आम्बेडकर अस्पताल, रायपुर (छ.ग.)।
संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डीकेएस स्नातकोत्तर संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र, रायपुर (छ.ग.)।
प्राचार्य,
शासकीय डेंटल कॉलेज, रायपुर (छ.ग.)।
समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
जिला - रायपुर एवं बलौदाबाजार।
समस्त सिविल सर्जन,
जिला अस्पताल,
जिला - रायपुर एवं बलौदाबाजार।
समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी,
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,
जिला - रायपुर एवं बलौदाबाजार।
समस्त चिकित्सा प्रभारी,
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र,
जिला - रायपुर एवं बलौदाबाजार।
शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर
जिला - रायपुर एवं बलौदाबाजार।

विषय:- Surgical Rubber Gloves,Sterile ISI mark Size 7,smooth (Drug Code- C61) Batch No. AM230607G के उपयोग एवं वितरण पर रोक लगाने बाबत्।

महोदय,
उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि मुख्यालय द्वारा Surgical Rubber Gloves,Sterile ISI mark Size 7 smooth (Drug Code- C61) का बैच क्रमांक AM230607G, Mfg Dt. 01-06-2023, Exp Dt. 31-05-2026, Mfg By- M/s Anondita Healthcare के उपयोग एवं वितरण पर आगामी आदेश तक रोक लगाया गया है।
अतः आपके संस्था में उक्त बैच का स्टॉक उपलब्ध होने की स्थिति मे उपयोग एवं वितरण पर आगामी आदेश तक रोक लगाने का कष्ट करें।

स्टोर ऑफिसर (ड्रग स्टोर)
ड्रग वेयरहाउस-रायपुर
सी.जी.एम.एस.सी. लिमि. रायपुर (छ.ग.)

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कापोर्रेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) ने एक आदेश जारी कर जून और जुलाई में निर्मित सर्जिकल रबर ग्लब्स के वितरण - उपयोग पर रोक लगा दी है। ये ग्लब्स अनोदिता हेल्थ केयर द्वारा उत्पादित हैं। सीजीएमएससी के स्टोर आफिसर (ड्रग स्टोर) ने अंबेडकर अस्पताल, डीकेएस के अधीक्षक, शासकीय डेंटल कॉलेज, समस्त सिविल सर्जन, जिला अस्पताल रायपुर - बलौदा बाजार के सीएमएचओ, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर - बलौदा बाजार, शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर रायपुर - बलौदा बाजार को पत्र लिखकर आगामी आदेश तक उपयोग न करने कहा है।

तीन अधिकारी कर्मचारी संगठनों को राज्य शासन से पत्राचार करने दी गई अस्थायी अनुमति

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने तीन अधिकारी कर्मचारी संगठनों को राज्य शासन से पत्राचार करने की अस्थायी अनुमति दे दी गई है। इनमें राजपत्रित अधिकारी संघ को जुलाई 2027, छत्तीसगढ़ व्याख्याता संघ को जनवरी 2026 और वन कर्मचारी संघ को अक्टूबर 2027 तक मान्यता दी गई है।

शासकीय सेवक (सेवा संघ) नियम 2025 के तहत निर्धारित प्रस्तुत जानकारी के आधार पर कमल वर्मा, अध्यक्ष छ.ग. प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ, प्लाट नं. ओ/6, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.) पिन को.-492014 को 5 जुलाई 2027, राकेश शर्मा, प्रांताध्यक्ष, छत्तीसगढ़ व्याख्याता संघ, म.क्र. 69/1462, दौलत स्टेट, हुतेन्द्र मार्ग, डंगनिया, रायपुर (छ.ग.) को 21 जनवरी 2026 और अजीत दुबे, प्रांताध्यक्ष, छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ, फारेस्ट कॉलोनी परिसर, पंडरी रायपुर (छ.ग.) को 4 अक्टूबर 2027 तक मान्यता दी गई है।

राज्यपाल डेका को लोकायुक्त ने सौंपा वार्षिक प्रतिवेदन

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ लोक आयोग के लोकायुक्त न्यायमूर्ति श्री आई.एस. उबोवेजा ने भेंट कर छत्तीसगढ़ लोक आयोग का 23 वां वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल को सौंपा। इस अवसर पर कानूनी सलाहकार श्री अजीत कुमार राजभानु, उप सचिव श्री के.पी. सिंह भदौरिया, तकनीकी सलाहकार श्री राकेश पुरम एवं पी.एस. श्री राजेश गजेंद्र भी उपस्थित थे।

सिम्स में जटिल सर्जरी, 65 वर्षीय महिला के पेट से निकाला गया 10 किलो से अधिक वजन का ट्यूमर

बिलासपुर। जिले की कबीरधाम निवासी लक्ष्मी चौहान, जो पिछले दो वर्षों से पेट में सूजन और लगातार बढ़ती शारीरिक परेशानियों से जूझ रही थीं। उन्हें पिछले 10 दिनों से लगातार उल्टियां हो रही थीं और भोजन ग्रहण करने व मल-मूत्र त्याग में भी असमर्थता थी। परिजनों द्वारा उन्हें सिम्स लाया गया, सिम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में भर्ती किया गया, सिम्स में उनकी जांच डॉ. नेहा सिंह के द्वारा की गई। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल भर्ती कर रक्त, मूत्र एवं सोनोग्राफी जांच की गई। सोनोग्राफी रिपोर्ट में पेट में एक बड़ा ट्यूमर होने की पुष्टि हुई। डॉ. नेहा सिंह ने विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता रमन जोगी को मामले से अवगत कराया। मरीज की हालत की गंभीरता को देखते हुए डॉ. संगीता द्वारा मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. लखन सिंह एवं अधिष्ठाता डॉ. रामनेश मूर्ति से चर्चा कर जीवन रक्षक ऑपरेशन की सहमति प्राप्त की गई। सिम्स प्रबंधन द्वारा एक विशेषज्ञ टीम गठित की गई, जिसमें डॉ. संगीता रमन जोगी, डॉ. दीपिका सिंह, डॉ. रचना जैन, डॉ. अंजू गढ़वाल एवं निश्चेतना विभाग से डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. श्वेता, डॉ. प्राची, डॉ. आकांक्षा एवं नर्सिंग स्टाफ से ब्रदर अश्विनी शामिल थे। टीम द्वारा की गई जटिल सर्जरी में मरीज के पेट से 10 किलो 660 ग्राम वजनी ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला गया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और फिलहाल मरीज की स्थिति पहले से बेहतर है। सिम्स प्रबंधन द्वारा डॉक्टरों की टीम को उनके समर्पण और तत्परता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया है। सिम्स के डाक्टरों के विशेषज्ञ टीम द्वारा जटिल सर्जरी कर 65 वर्षीय महिला के पेट से 10 किलो से अधिक वजन का ट्यूमर सफलता पूर्वक निकाला गया।

गुरुपूर्णिमा पर प्रतिष्ठाचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी का गुणानुवाद - श्रद्धालुओं ने किया पूजन

रायपुर। गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में हजारों श्रद्धालुओं ने चारों दादागुरुदेव के दर्शन वन्दन कर बड़ी पूजा में भाग लिया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि इस अवसर पर चमत्कारी जैन दादाबाड़ी के प्रतिष्ठाचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए गुणानुवाद किया गया।

महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि वर्तमान में खरतरगच्छ परम्परा के गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर कोटिशः वन्दना। गुरुदेव के शुभ हस्ते अवन्ति पाश्र्वनाथ तीर्थ जीर्णोद्धार सहित देशभर में 244 जिनमंदिर व दादाबाड़ीयों की प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई है। गुरूदेव के मुखारविंद से 160 भव्य आत्माओं ने भगवती जैन दीक्षा ग्रहण की है , श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी की पावन निश्रा में देशभर में 17 महामंगलकारी उपद्यान तप आराधना व 23 छःरी पालित संघ की यात्रा सम्पन्न हुई है। ऐसे पूज्य गुरुदेव श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट पूजन वंदन करता है। गुरुपूर्णिमा पर 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप 21 जुलाई से 10 अगस्त तक की घोषणा की गई। 21 जुलाई को मूर्ति कलश व अखण्ड दीपक की स्थापना की जावेगी। विधिकारक श्री विमल गोलछा स्थापना विधी सम्पन्न करेंगे। गुरुपूर्णिमा पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में प्रसिद्ध भजन गायक वर्धमान चोपड़ा, निर्मल पारख, सरला बैद ने गुरुभक्ति के भजन से शमा बांध दिया। पूजा में श्रीमती शैला बरडि?ा, कीर्ति लोढ़ा, मधु पारख, प्रसन्न चोपड़ा, मनीष बरडि?ा, ममता जैन, डॉ योगेश बंगानी, धीरेन्द्र सेठ, संतोष झाबक, अशोक झाबक, अरुणा कोठारी, ममता बरमट उपस्थित थे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com